दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, रविवार 25 अप्रैल 2021, शुक्लपक्ष-त्रयोदशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-77 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना काल में वैसे तो जमाखोरों और मुनाफाखोरों ने ही आपदा को अवसर के रूप में बदला है लेकिन इस मामले में कई स्वनाम धन्य नेता भी पीछे नहीं है। यह ठीक है कि नेता पैसों के साथ ही प्रचार के भी भूखें होते है लेकिन घुंघरू सेठ इतने बड़े भुक्खड़ है कि राज्य सरकार का खजाना सिर्फ अपने प्रचार के लिए विज्ञापनों पर लुटा रहे है। इससे भी उनकी भूख नहीं मिटी तो उन्होने पीएम मोदी के साथ कोरोना पर देश के 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों की हुई चर्चा का भी लाईव प्रसारण करा दिया। वाकई हद कर दी आप ने।

दिल्ली हाईकोर्ट का रौद्र रूप: ऑक्सिजन रोकने वालों को हम लटका देंगे...

नई दिल्ली (ए.)। ऑक्सिजन की कमी को लेकर महाराजा अग्रसेन अस्पताल की ओर से याचिका लगाई है। इस पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट की ओर से सख्त टिप्पणी की गई है। पहले से ही मरीजों की संख्या कहीं अधिक है और अब ऑक्सिजन की कमी ने दिल्ली के हॉस्पिटल की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। एक के बाद एक कई हॉस्पिटल ऑक्सिजन कमी को लेकर गुहार लगा रहे हैं। ऑक्सिजन की कमी को लेकर महाराजा अग्रसेन अस्पताल की ओर से याचिका लगाई है। शनिवार इस पर सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट की ओर से सख्त टिप्पणी की गई है।

शनिवार सुनवाई के दौरान कोरोना से जुड़े सवाल-

केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हाई कोर्ट से क्या कहा?

एयरलिफ्ट के जरिए सिर्फ खाली टैंकर दुर्गापुर तक भेज गए हैं और भेजे जा सकते हैं। लेकिन वे भरने के बाद लिफ्ट नहीं किए जा सकते हैं। अगर ये टैंकर दिल्ली आते हैं तो मॉनिटरिंग का सिस्टम होना जरूरी है। जिससे देखा जा सके कि किस अस्पताल को कितनी ऑक्सीजन पहुंचाई जा रही है। इसे क्रिटिसिजम की तरह न लिया जाए। मैं भी दिल्ली का निवासी हूं।

ऑक्सिजन की कमी से जूझ रहे अग्रसेन हॉस्पिटल ने हाई कोर्ट में क्या कहा?

अग्रसेन अस्पताल ने केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमारे यहां 306 मरीज हैं और 106 क्रिटिकल हैं। हम कल से उनके नोडल ऑफिसर से लेकर हर अधिकारी से संपर्क कर रहे हैं और हमें बताया कि हमारा नाम तक उस लिस्ट में नहीं है जहां ऑक्सिजन सप्लाई की जानी है। हम क्या करें ?

पीठ ने कहा- ऑक्सिजन आपूर्ति कौन कर रहा है बाधित

अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह बताए कि कौन ऑक्सिजन की आपूर्ति को बाधित कर रहा है। ***पीठ ने कहा, हम उस व्यक्ति को लटका देंगे। हम किसी को भी नहीं बख्शेंगे।*** अदालत ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के ऐसे अधिकारियों के बारे में केंद्र को भी बताए ताकि वह उनके खिलाफ कार्रवाई कर सके।

उच्च न्यायालय ने केंद्र से भी सवाल किया कि दिल्ली के लिए आवंटित प्रतिदिन 480 मीट्रिक टन ऑक्सीजन उसे कब मिलेगी?

दिल्ली सरकार ने अदालत को सूचित किया कि उसे पिछले कुछ दिनों से रोजाना सिर्फ 380 मीट्रिक टन ऑक्सीजन ही मिल रही है और शुक्रवार को उसे करीब 300 मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिली थी। इसके बाद अदालत ने केंद्र से सवाल किया।

ये लहर नहीं, सूनामी है

15 मई को कोरोना की सूनामी, हाई कोर्ट ने आईआईटी की रिपोर्ट का हवाला देकर पूछा-क्या है तैयारी?

■ आईआईटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 12 अप्रैल से 31 जुलाई तक 3.29 लाख मौतें होंगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज अस्पतालों को ऑक्जिसन की आपूर्ति के मुद्दे पर अपना रौद्र रूप दिखाया और कहा कि जिस किसी ने ऑक्सिजन की आपूर्ति को रोका या रोकने की कोशिश की, उसे टांग देंगे। जस्टिस विपिन सांघी और जस्टिस रेखा पल्ली की बेंच ने कोविड-19 महामारी के भविष्य में और भयावह होने की आशंका पर केंद्र और दिल्ली सरकार से भी कड़े सवाल किए। हाई कोर्ट ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की उस रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि 15 मई के आसपास देश में कोरोना की सूनामी आ जाएगी। इस रिपोर्ट के हवाले से ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अमेरिकी रिपोर्ट भी काफी डरावनी

इसी तरह की आशंका एक अमेरिकी विश्वविद्यालय की तरफसे जारी रिपोर्ट में भी जताई गई है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मेट्रिक्स ऐंड इवैल्युएशन ने 15 अप्रैल को एक रिसर्च स्टडी प्रकाशित की जिसमें दावा किया गया है कि भारत में मध्य मई में रोजोना औसतन 5,600 कोरोना मरीजों की जानें जाएंगी। उसका कहना है कि स्थिति पर काबू नहीं पाया गया तो अप्रैल से अगस्त के बीच कोरोना संक्रमण से करीब तीन लाख लोग अपनी जान गंवा देंगे। दावा है कि 10 मई को डेली डेथ रेट 5,600 पहुंच जागा जबकि 12 अप्रैल से 1 अगस्त के बीच 3 लाख 29 हजार मौतें होंगी। इस तरह, 31 जुलाई के भारत में करीब 6 लाख 65 हजार मरीजों की जान चली गई होगी।

केंद्र सरकार ने सिंगापुर से विमानों से मंगा रही ऑक्सीजन टैंकर

कोरोना ने देश के चारों ओर तबाही मचा दी है। दिल्ली हाई कोर्ट ने शनिवार को सुनवाई करते हुए कहा है कि यह लहर नहीं, बल्कि सुनामी है। कोरोना के फैलते संक्रमण के बीच केंद्र सरकार भी हरकत में आ गई है। केंद्र विदेश से ऑक्सीजन सप्लाई के लिए टैंकर मंगवा रही है। गृह मंत्रालय ने जानकारी दी है कि सिंगापुर से चार क्रायोजेनिक टैंकर विमानों से मंगाए जा रहे हैं जिनका इस्तेमाल ऑक्सीजन को देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने के लिए किया जाएगा। मालूम हो कि देश के कई अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी देखी जा रही है, जिसके चलते कुछ मरीजों की भी जान जा चुकी है।

दिल्ली एम्स की इमरजेंसी में भी भर्ती बंद, कई अस्पताल कर रहे मरीजों की छुट्टी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की इमरजेंसी में भी शनिवार को ऑक्सीजन की कमी के चलते नए मरीजों को भर्ती करने पर रोक लगा दी गई है। ऐसा ही नजारा कई और सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में भी देखने को मिल रहा है। कई अस्पतालों में ऑक्सीजन खत्म होने के कगार पर पहुंच गई है। वहीं, दिल्ली के सरोज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में ऑक्सीजन खत्म होने के कगार पर है। अस्पताल के कोविड प्रभारी ने शनिवार को बताया कि हमें अभी तक बैकअप ऑक्सीजन की सप्लाई नहीं मिली है। हमारे पास 70 मरीज हैं, जो गंभीर स्थिति में हैं और उन्हें ऑक्सीजन की जरूरत है। अगर हमें ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं होती है तो बड़ी आपदा हो सकती है। हमने मरीजों को छुट्टी देनी शुरू कर दी है और ऑक्सीजन की कमी के कारण हम नए मरीजों को भर्ती करना बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन के बिना हम मरीजों का कैसे इलाज करें।

पीएम मोदी की हाई लेवल मीटिंग में फैसला

ऑक्सीजन से कस्टम ड्यूटी-हेल्थ सेस हटा

■ देश में ऑक्सिजन और मेडिकल सप्लाई बढ़ाने के लिए काम करने की जरूरत

नई दिल्ली। देश में कोविड के बढ़ते मामले सभी के लिए चिंता का विषय बन चुके हैं। हालात को देखते हुए सरकार ने शनिवार को कोविड वैक्सीन्स, ऑक्सिजन और ऑक्सिजन सबंधी इक्विपमेंट के आयात पर बेसिक कस्टम ड्यूटी से छूट देने का फैसला किया है। हालांकि यह छूट केवल तीन माह के लिए होगी।

सरकार ने भारत में इन प्रॉडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह फैसला किया है। कोविड वैक्सीन्स, ऑक्सिजन और ऑक्सिजन सबंधी इक्विपमेंट पर बेसिक कस्टम ड्यूटी से तीन माह तक छूट देने का फैसला, देश में ऑक्सिजन की आपूर्ति बढ़ाने के उपायों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया। सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी ने देश में मेडिकल ग्रेड ऑक्सिजन की सप्लाई और अस्पतालों व घरों दोनों में मरीज की देखभाल के लिए जरूरी इक्विपमेंट बढ़ाने की तत्काल जरूरत पर जोर दिया।

कस्टम क्लियरेंस सुनिश्चित करने का भी निर्देश

बयान में आगे कहा गया कि पीएम मोदी ने यह भी कहा है कि सभी मंत्रालयों और विभागों को एक साथ मिलकर देश में ऑक्सिजन और मेडिकल सप्लाई बढ़ाने के लिए काम करने की जरूरत है। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया है कि विभाग कोविड वैक्सीन्स, ऑक्सिजन और ऑक्सिजन सबंधी इक्विपमेंट का अवरोध रहित और जल्द कस्टम क्लियरेंस सुनिश्चित करे।

कोशिशें की हैं तेज

भारत में इस वक्त ऑक्सिजन की बेहद ज्यादा किल्लत चल रही है। दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश समेत कई जगहों पर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

खास-खबर

जस्टिस रमन ने ली 48वें सीजेआई पद की शपथ

नई दिल्ली (वार्ता)। न्यायमूर्ति एन वी रमन ने देश के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शनिवार को शपथ ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में न्यायमूर्ति रमन को पद की शपथ दिलायी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री रविशंकर प्रसाद सहित कई केंद्रीय मंत्री एवं उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश शामिल थे।

यूपी में कोरोना मामले 38 हजार के पार

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 38,055 नए मामले सामने आए हैं जबकि 23,231 लोग डिस्चार्ज हुए हैं।दूसरी ओर भाजपा सांसद ने ऑक्सीजन की कमी को लेकर धरना देने की धमकी दी है । राज्य में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 2,88,144 है। अब तक कुल 7,52,211 लोग ठीक हो चुके हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार का अहम फैसला

58 लाख से अधिक परिवारों को मिलेगा 2 माह का मुफ्त चावल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कारण उपजी विषम परिस्थिति को देखते हुए राज्य के अंत्योदय , गरीब, निराश्रित एवं प्राथमिकता श्रेणी वाले परिवारों को दो माह का चावल निशुल्क दिए जाने का ऐलान किया है। इसका लाभ राज्य के 58 लाख 29 हजार 371 राशन कार्ड धारी परिवारों को मिलेगा। सरकार मई एवं जून माह के कोटे के एवज में 3 लाख 94 हजार 136 मेट्रिक टन चावल का निशुल्क वितरण करेगी । निःशुल्क चावल वितरण पर सब्सिडी व्यय का भार प्रदेश सरकार वहन करेगी। खाद्य विभाग द्वारा मई और जून माह के एकमुश्त निःशुल्क चावल वितरण को लेकर आज जिलों को ऑनलाइन आवंटन भी जारी कर दिया गया । राज्य में प्राथमिकता श्रेणी के राशन कार्ड धारी परिवारों की संख्या 40 लाख 67 हजार 356 , अंत्योदय के 14 लाख 6 हज़ार 490, अन्नपूर्णा के 6 हजार 86 , निराश्रित कार्ड धारियों की संख्या 38 हजार 563 और निशक्तजन कार्ड धारियों की संख्या 10 हजार 876 है। उक्त राशन कार्ड धारियों को मई एवं जून माह के कोटे का चावल राशन दुकानों से मई माह में निशुल्क प्रदाय किया जाएगा।

आज-कल में आदेश जारी होने की संभावना

राजधानी समेत कई जिलों में लॉकडाउन बढ़ाने की तैयारी

रायपुर। प्रदेश के कई जिलों में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलो को देखते हुए राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में लॉकडाउन को बढ़ाने की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। विदित हो कि प्रदेश मेंकोरोना संक्रमण के प्रसार और जिले से रोज मिल रहे रिकार्ड तोड़ मरीजो की संख्या को देखते हुए रायपुर, रायगढ़, जशपुर, दुर्ग सहित कई जिलों में लॉक डाउन बढाने की तैयारी कर ली गयी है। रायपुर जिला प्रशासन की लॉकडाउन को लेकर यहां बैठक भी चल रही है, वहीं रायगढ़ कलेक्टर ने भी औपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि राज्य शासन के निर्देश पर संक्रमण के चैन को तोड़ने के लिए यह फैसला लिया गया है।

इधर जशपुर जिले में कल याने 26 अप्रैल को लॉक डाउन की मियाद खत्म हो रही है, लेकिन इस बीच यहाँ भी लॉक डाउन बढाने की तैयारी शुरू कर दी गयी है । जिले में हर दिन कोरोना के नए मरीजो के आ रहे आंकड़ों और मृत्यु दर को देखते हुए जशपुर जिला प्रशासन भी लॉक डाउन की अवधि अगामो 5मई तक बढाने का विचार बना चुका है।

प्रधानमंत्री ने विजेता पंचायतों को दी राशि

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2021 राज्य को मिले 12 पुरस्कार

रायपुर। केन्द्रीय पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा दिए जाने वाले राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2021 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को 12 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के मौके पर आज नई दिल्ली में आयोजित वर्चुअल समारोह में विजेता पंचायतों के खातों में पुरस्कार राशि का ऑनलाइन अंतरण किया। केन्द्रीय पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव और राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल पुरस्कार समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ें। उन्होंने पुरस्कार हासिल करने वाले सभी पंचायतों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब प्रदेश की पंचायतीराज संस्थाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए राष्ट्रीय स्तर के 12 पुरस्कारों से नवाजा गया है। वर्ष 2020 में भी प्रदेश को ई-पंचायत पुरस्कार और 11 पंचायतीराज संस्थाओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया था। उससे पहले 2019 में भी प्रदेश की पंचायतों को 11 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए थे।

अस्पताल तैयार करें, मिशन मोड पर हो काम

वैक्सीनेशन पर केंद्र ने राज्यों के लिए जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली/ए.। देश में 1 मई से शुरू होने वाले तीसरे चरण के टीकाकरण को लेकर केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नई टीककारण रणनीति के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिया है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कुछ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक के बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया गया है कि वो ज्यादा से ज्यादा टीका सेंटर बनाकर मिशन मोड पर लोगों का रजिस्ट्रेशन करें और वैक्सीन का डोज दें। सरकार ने कहा कि उन अस्पतालों पर नजर रखनी होगी कि जो कि टीके को खरीदे हैं कोविन ऐप पर स्टॉक और कीमतें घोषित की हैं। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच केंद्र सरकार ने 1 मई से 18 साल से अधिक ■ शेष पृष्ठ 6 पर

18-45 वर्ष आयु वर्ग के लिए केवल ऑनलाइन पंजीकरण

निर्देश में कहा गया है कि टीकाकरण स्लॉट के साथ-साथ पात्र लोगों के लिए टीकाकरण शेड्यूल करना होगा। उन्हें टीकों की प्रत्यक्ष खरीद के संबंध में निर्णय को प्राथमिकता देनी होगी। केंद्र ने उन्हें 18-45 वर्ष आयु वर्ग के लिए केवल ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा के बारे में बताने के लिए कहा है। इसके साथ-साथ केंद्र ने और भी कई दिशा निर्देश दिए हैं।

- ■ कोविड वैक्सीनेशन सेंटर पर भीड़ को मैनेजमेंट करने के लिए कानून-व्यवस्था के अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा।
- ■ कोरोना वैक्सीनेशन सेंटर के कर्मचारियों को बकायदा ट्रेनिंग दिया जाएगा और उनके टीके के इफेक्ट के बारे में भी बताना होगा।
- ■ अतिरिक्त कोविड-19 अस्पतालों की पहचान करने और जरूरत पड़े तो डीआरडीओ और सीएस आईआर या फिर किसी भी एजेंसी की मदद से हॉस्पिटल तैयार करें।
- ■ अस्पताल के बेड पर नजर रखने के लिए रियल टाइम व्यवस्था अपनाएं ताकि आम जनता को मुश्किलों का सामना न करना पड़े।

गाइड लाईन — रिपोर्ट नेगेटिव होने पर एसओपी अनुसार होम क्वारेंटीन की अनिवार्यता

सरकार ने कोविड से जुड़े नए निर्देश किए जारी

■ राज्य में हवाई मार्ग, रेल अथवा सड़क मार्ग से आने वाले सभी यात्रियों को 72 घंटे में निगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा जरूरी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने कोविड से जुड़े नए निर्देश जारी किए हे। इस सम्बंध में छत्तीसगढ़ के समस्त संभाग कमिश्नरों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को नोवेल कोरोना वायरस के नये वेरियन्ट के संक्रमण पर नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य में आने वाले यात्रियों के लिए कोविड टेस्ट जांच के संबंध में दिशानिर्देश जारी किये गए है।

72 घंटे में दे निगेटिव रिपोर्ट

जारी दिशानिर्देशों में उल्लेखित है कि राज्य में हवाई मार्ग, रेल अथवा सड़क मार्ग से आने वाले सभी यात्रियों की 72 घंटे के भीतर की कोविड निगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा। रिपोर्ट निगेटिव होने पर छत्तीसगढ़ राज्य में प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। ऐसे यात्री जिनकी निगेटिव कोविड रिपोर्ट है और कोविड-19 के लक्षण नहीं है, उन्हे स्वास्थ्य विभाग के एसओपी अनुसार होम क्वारेंटीन होने के निर्देश दिया जाए।

राज्य की सीमाओं पर टेस्टिंग

रेलवे स्टेशन एवं सीमावर्ती राज्य से आने वाले सड़क मार्ग पर ही सीमा पर स्थित बैरियर/चौकी में टेस्टिंग किओस्क बनाकर स्वास्थ्य परीक्षण सहित आवश्यक कोविड जांच की व्यवस्था की जाए। जांच का व्यय यात्री द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। कोविड-19 जांच उपरान्त पॉजीटिव पाये गये व्यक्तियों को आवश्यकतानुसार होमआईसोलेशन/ कोविड केयर सेंटर/डेडिकेटड कोविड हॉस्पिटल में उपचार हेतु तत्काल भेजा जाए।

एसओपी अनुसार ईलाज

ऐसे यात्री जिनके पास निगेटिव कोविड रिपोर्ट है और उन्हें कोविड-19 के लक्षण है, ऐसे सभी व्यक्तियों की पुनः कोविड-19 जांच की जाए। जांच में पॉजिटिव पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग के एसओपी अनुसार ईलाज हेतु कार्यवाही की जाए। कोविड लक्षण वाले परंतु जांच में निगेटिव यात्रियों को चिकित्सीय सलाह अनुसार उपचार दिया जाए तथा सलाह अनुसार आयसोलेट/क्वारेंटीन किया जाए। ऐसे सभी व्यक्ति जिनके पास कोविड निगेटिव रिपोर्ट नहीं है, उनके एयरपोर्ट,

निर्धारित दरों पर जांच

उपरोक्तानुसार कोविड जांच की व्यवस्था हेतु रैपिड एण्टीजन जांच के लिए निजी क्षेत्र के पैथोलैब को भारत सरकार एवं आई.सी.एम.आर. जारी दिशा-निर्देश के अनुरूप तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निर्धारित दरों पर जांच की अनुमति दी जाए। तदनुसार टेस्टिंग किओस्क स्थापित किया जाए। ऐसे सभी व्यक्ति जिनके पास कोविड निगेटिव रिपोर्ट नहीं है एवं ■ शेष पृष्ठ 6 पर

न्यूज गैलरी

आज महावीर का जन्मकल्याणक महोत्सव

भिलाई। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन महासभा द्वारा त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में महावीर जयंती के अवसर पर विभिन्न धर्म आयोजन किए जाएंगे। कोरोना संकट व लॉकडाउन को देखते हुए इस बार महावीर स्वामी जन्मकल्याण महोत्सव को ऑनलाइन करने की योजना बनाई गई है। श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी जी का जन्म कल्याणक महोत्सव का धर्म आयोजन 25 अप्रैल को किया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 7 बजे से भक्तों द्वारा धार्मिक क्रियाओं की जाएंगी जिसमें श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी का मंगल अभिषेक, शांतिधारा, भगवान महावीर स्वामी जी की पूजन आरती की जाएगी। समिति के प्रमुख अध्यक्ष ज्ञानचंद बाकलीवाल, मंत्री प्रशांत जैन, कोषाध्यक्ष एनके जैन, मीडिया प्रभारी प्रदीप जैन बाकलीवाल, वरुण जैन, अमित अजमेरा, निशांत जैन, राकेश कासलीवाल ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से अनुरोध किया है कि आप सभी धर्म लाभ लेने महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव का आनंद ऑनलाइन ले सकते हैं। इसके लिए श्री पारसनाथ दिगंबर जैन महासभा के पेज को लाइक करें एवं अपने परिजनों सहित अपने घर से ही लिंक से जोड़ते हुए महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव का आनंद लें।

शंकराचार्य में मना विश्व पृथ्वी दिवस

भिलाई। श्री शंकराचार्य महाविद्यालय इको क्लब एवं लाइफ साइंस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पृथ्वी दिवस को राष्ट्रीय स्तर पर पोस्टर प्रतियोगिता एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायक वनस्पति शास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. सतीश सेन, शासकीय महाविद्यालय वीवाईटी पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज थे। यह प्रतियोगिता वर्चुअल माध्यम से की गई। वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण इस प्रतियोगिता में 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के परिणाम इस तरह रहे प्रथम पुरस्कार-पराग व्यास, बीएससी अंतिम वर्ष (पीसीएम) श्री शंकराचार्य महाविद्यालय, द्वितीय पुरस्कार उमेश्वर साहू, बीएससी अंतिम वर्ष, शासकीय वीवाईटी पीजी ऑटोनॉमस कॉलेज एवं तृतीय पुरस्कार यामिनी लारिया बीएससी अंतिम वर्ष शासकीय दिग्विजय ऑटोनॉमस पीजी कॉलेज नांदगांव रहे। महाविद्यालय के निर्देशक एवं प्राचार्य डॉ. रक्षा सिंह एवं अतिरिक्त निर्देशक डॉ. दुर्गा प्रसाद राव ने इन विजयी सदस्यों को बधाई दी।

बेघर व भिखारी वेक्सीनेशन हेतु चिहिंत

दुर्ग। शहर को कोरोना संक्रमण से मुक्त करने अब शहर में रहने वाले बेघर बार और भिकारी वर्ग के लोगों को भी करो ना टीका लगाया जाएगा इसके लिए आज शहर में ऐसे 48 के घर बार अधिकारी स्तर के लोगों को चिन्हित किया गया है। आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में कार्यरत सीओ एवं महिला समूह द्वारा जिनके पास आधार कार्ड था ऐसे तीन भिखारियों को टीकाकरण ले जाकर वैक्सीन लगवाया गया। आयुक्त मंडावी के निर्देश पर आज डे एनयूएलएल की टीम ने शहर में रेलवे स्टेशन क्षेत्र गुरुद्वारा स्टेशन रोड बस स्टैंड क्षेत्र से बेघर बार 48 लोगों को चिन्हित किए उनके पास आधार कार्ड की जानकारी भी इनमें से 3 लोगों के पास आधार कार्ड था जिनका वैक्सीनेशन कराया गया शेष लोगों का आधार कार्ड बनाने के लिए सूची भेजी गई है। आयुक्त श्री मंडावी ने डे. एनयूएलएल टीम को निर्देशित कर कहा है कि वे शहर के सभी बेघर बार लोगों को चिन्हित करें जिनका आधार कार्ड नहीं बना है उनको सूची तैयार कर तत्काल उनका आधार कार्ड बनवाएं और उन्हें टीकाकरण केंद्र में ले जाकर वैक्सीन लगवाएं। शहर

सरकार कोरोना मरीजों को इलाज की सुविधाएं देने में नाकाम : भाजपा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। भाजपा नेताओं ने आज प्रदेश में कोरोना संक्रमण की महामारी से रोज मौत के आंकड़े बढ़ने के और मरीजों को इलाज सुविधाएं न मिलने के विरोध में आज भूपेश सरकार के खिलाफ धरना दिया। भाजपा नेताओं ने कहा कि आम जनता को इलाज व अस्पताल की सुविधाएं देने में भूपेश सरकार नाकाम रही है। इसका विरोध करते हुए जिले में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने अपने.अपने घरों के सामने धरना देकर विरोध जताया।

भाजपा नेताओं ने मरीजों को इलाज सुविधा तत्काल मुहैया कराने और दवाई की पर्याप्त उपलब्धता की मांग की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने घरों के सामने हाथों में भाजपा का झंडा लेकर दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक धरना दिया। जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ शिव कुमार तमेर ने कहा कि यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि जनता कोरोना महामारी से त्रस्त है। जनता में इस महामारी को लेकर भय का माहौल है।

कोविड संक्रमितों को अस्पतालों में न बेड मिल रहा है और न ऑक्सीजन। मरीजों के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने की बजाय प्रदेश की भूपेश बघेल सरकार द्वारा केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफबयानबाजी की जा रही है। राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने में लगी है।

धरना प्रदर्शन करने वालों में नटवर ताम्रकार, संतोष सोनी, कांतिलाल जैन, बसंत चंद्राकर, कल्पना जोशी, दिनेश देवांगन, मनीषा डहरे, पवन शर्मा, केएस चौहान, जितेंद्र साहू, राजा महोबिया, चंद्रशेखर चंद्राकर, लुकेश बघेल, लोकमणी चंद्राकर, गिरेश साहू, दीपक चोपड़ा, नवीन जैन, बानी सोनी, नरेंद्र बंजारे, किशोर साहू, संतोष कोसरे, आशा सुब्बा, विनायक ताम्रकार, उत्तम साहू, नरेंद्र बंजारे सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हैं।

पसरा लगाकर सामान बेचने वालों को निगम ने खदेड़ा

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। सख्त लॉकडाउन के बाद भी कुछ दुकानदार नियमों की अनदेखी कर रहे है। कृष्णा टाकिज रोड स्थित पारख किराना दुकान पर नजर पड़ते ही नगर पालिक निगम के आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने कार्रवाई के निर्देश दिए। दुकान संचालक से पांच हजार जुर्माना वसूला गया।

कोरोना की चेन को तोड़ने कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे ने सख्त लॉकडाउन का आदेश जारी किया है। इस दौरान केवल स्ट्रीट वेंडर व होम डिलवरी के तहत सामान प्रदान करने की छुट दी गई है। इस आदेश की अवहेलना कई दुकानदार कर रहे है। शुक्रवार को नगर पालिक निगम के आयुक्त के निर्देश पर राजस्व विभाग के प्रभारी हरचरण सिंह अरोरा ने पारख किराना दुकान के संचालक नमन पारख पर 5000 जुर्माना किया गया। दरअसल दोपहर 3 बजे दुकान संचालक होम डिलवरी के नाम पर दुकान का आधा शटर उठाकर नागरिकों को सामान बेच रहा था।

2 बजे के बाद सामान बेचने पर 11 सौ जुर्माना

लॉकडाउन में स्ट्रीट वेंडरों को दोपहर 2 बजे तक छुट दी गई है। निर्धारित समय के बाद भी सामान बेचने पर निगम के अधिकारियों ने आधा दर्जन स्ट्रीट वेंडरों से कुल 11 सौ वसूला। इस कार्रवाई में राजस्व निरीक्षक अनिल मेश्राम, धर्मरक्षक पाठक, टेकराम हरिन्द्रवार व पंकज भगत शामिल थे।

शनिचरी बाजार में पसरा वालो को दी समझाईश

प्रशासन ने स्ट्रीट वेंडरों को घुम घुमकर सामान बेचने की अनुमति दी है। इसके बाद भी कई फुटकर व्यापारी सब्जी का पसरा लगा रहे है। शनिवार को रूआबांधा शनिचरी बाजार में ऐसे ही फुटकर व्यापारी पर नजर पड़ते ही राजस्व विभाग प्रभारी व राजस्व निरीक्षक अनिल मेश्राम ने पसरा को हटवाते हुए सब्जी विक्रेता को खदेड़ा।

साइंस कॉलेज में मनाई शेक्सपीयर की जयंती

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शास. वि.या. ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा अंग्रेजी के महान साहित्यकार विलियम शेक्सपियर की जयंती पर छात्रों के लिये राज्य स्तरीय आनलाईन पावर पाईट प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर छात्रों ने शेक्सपियर द्वारा रचित नाटकों, कविता एवं उनकी नाट्य शैली पर पावर पाईट प्रेस्टिेशन दिया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. शीलाविजय प्राध्यापक, खूबचंद बघेल महाविद्यालय, भिलाई-3 ने छात्रों द्वारा की गई प्रस्तुति की सराहना करते हुये कहा कि इस तरह की गतिविधियों से छात्रों में ज्ञान के साथ-साथ आत्मविश्वास की भी उत्पति होती है। निर्णायकों के रूप में सत्यवीर सिंह राठौर, कु. गीतांजली नेताम तथा मो. जाकिर उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में कु. मेघाचंदानी प्रथम तथा देवराज बघेल एवं कु. प्रियंका वर्मा क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। कर्यक्रम के आरंभ में अंग्रेजी विभाग की कार्यभारी विभागाध्यक्ष डॉ. कमरतलत ने अपने स्वागत भाषण में शेक्सपीयर की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुये छात्रों को उनके द्वारा किये प्रयास पर बधाई दी।

भोजन उपलब्ध कराने अग्रवाल समाज का योगदान

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। निगम क्षेत्र अंतर्गत लॉकडाउन की स्थिति में कोई भी भूखा न रहे इस उद्देश्य से निगम आयुक्त ऋतुराज रखुवंशी के निर्देश पर निगम द्वारा असहाय लोगों तक भोजन देने का कार्य किया जा रहा है। इसमें सबसे बड़ा सहयोग अग्रवाल समाज सेक्टर 6 का रहा है। प्रतिदिन भोजन पैकेट जरूरतमंदों के हिसाब से तैयार कर रहे हैं। इस विषम परिस्थिति में इनका योगदान अनुकरणीय है, यही नहीं निगम के सहयोग से टीकाकरण में भी इन्होंने प्रेरित करते हुए लोगों को टीका लगवाने का कार्य किया है। रोज समाज एवं इनके संस्था द्वारा भोजन पैकेट तैयार किया जाता है। प्राप्त पैकेट को भोजन के समय अनुसार सभी जोन क्षेत्रों में वितरण के लिए प्रतिदिन भेजा जा रहा है। संस्था द्वारा समाज के हितार्थ अग्रसेन भवन सेक्टर 6 में 22 ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई है। कुछ ऐसे परिवार हैं जो होम आइसोलेशन के दौरान भोजन तैयार करने में सक्षम नहीं है।

आयुर्वेदिक अस्पताल में खुलेगा 40 बेड का कोविड सेंटर

सारी व्यवस्था के साथ 3 दिनों में शुरू करें अस्पताल : वोरा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शहर में कोरोना मरीजों को बेहतर सुविधाओं के साथ इलाज मुहैया कराने धमधा रोड स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में 40 ऑक्सीजन बेड की सुविधा के साथ कोविड केयर सेंटर शुरू किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल ने आयुर्वेदिक अस्पताल भवन का निरीक्षण करने के बाद कोविड सेंटर की तैयारियों का निरीक्षण किया। वोरा ने अधिकारियों से कहा कि ऑक्सीजन पाइप लाइन बिछाने का कार्य जल्द से जल्द पूरा कर 3 दिनों के भीतर सेंटर को शुरू किया जाए। वोरा ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टॉफकी पर्याप्त व्यवस्था के साथ मरीजों के भोजन और परिजनों को मरीज की तबियत की जानकारी देने रोज काउंसिलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर से कहा कि प्रभारी मंत्री द्वारा 1 करोड़ रुपए जिला अस्पताल में कोविड पेशेंट के इलाज और स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने हेतु स्वीकृत करन पर सहमति दी गई है। इस संबंध में विभागीय कार्यवाही करते हुए हुए जल्द से जल्द ऑक्सीजन बेड और वेन्टीलेटर्स की संख्या बढ़ाई जाए। वोरा ने शहर के मुक्तिधामों में बढ़ते दबाव को देखते हुए वार्ड 56 बघेरा और वार्ड 57 उरला में मुक्तिधाम में शेड निर्माण, फेंसिंग, बाउण्ड्रीवाल, शोकसभा हॉल के लिए 15.15 लाख, वार्ड 18 शक्तिनगर में मुक्तिधाम में शेड निर्माण, पेवर ब्लाक व अन्य कार्यों के लिए 10 लाख और प्रभारी मंत्री मद से पोटिया वार्ड 54 व बोरसी वार्ड 51.52 में मुक्तिधाम के उन्नयन के लिए 10.10 लाख की स्वीकृति भी दी।

निगम रोज पहुंचा रहा है भोजन पैकेट

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कोरोना महामारी के दौर में भोजन के लिए परेशान लोगों को विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल की पहल पर पका हुआ भोजन नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। इस दिशा में आज गुरुद्वारा के सामने लॉकडाउन में एकत्र 29 लोगों को भोजन का पैकेट प्रदान किया गया। विधायक व महापौर के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम दुर्ग के माध्यम से कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के तहत् गरीब बेघरबार और विभिन्न वार्डो के कुल 55 घर जहाँ कोविड.19 संक्रमित व्यक्ति है जिनकी मांग पर उन्हें प्रतिदिन सुबह और शाम के समय भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में नोडल अधिकारी ने बताया कि विभिन्न वार्डो के ऐसे 55 घर जहाँ अधिक संख्या में लोग कोरोना संक्रमित है और व खाना नहीं बना पा रहे हैं अथवा ऐसे लोग जिनके घरों में खाना बनाने वाले नहीं हैं । ऐसे लोगों की जिला प्रशासन से प्राप्त सूचना के आधार पर उन्हें पका हुआ भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा जो लोग नोडल अधिकारी से सीधा संपर्क कर भोजन की मांग कर रहे हैं उन्हें भी भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया प्रतिदिन सुबह और शाम कुल 370 भोजन का पैकेट गरीब और घरों में ही आइसोलेशन में रहने वालों को दी जा रही है। उन्होंने बताया प्रतिदिन सुबह और शाम के समय गुरुद्वारा के सामने और रेल्वे स्टेशन परिसर में भी भिखारीए बेघबार लोगों तथा लॉकडाउन में दुर्ग शहर में फंसे लोगों को खना खिला रहा है ।

फर्जी वीडियो क्लिप वायरल पर हो सकती है कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। कुछ शरारती तत्वों द्वारा कचांदुर कोविड केयर सेंटर का वीडियो बताकर दूसरे वीडियो क्लिप को वायरल किया जा रहा है जिसमें यह बताया जा रहा है कि शासन, प्रशासन द्वारा अस्पताल में कुछ व्यवस्था नहीं की गई है! जबकि प्रसारित किया जा रहा वीडियो का चंदूलाल चंद्राकर कोविड केयर सेंटर से कोई संबंध नहीं है। इस तरह के वीडियो को वायरल करने से बचें। बिना प्रमाणिकता एवं पुष्टि किए इस प्रकार के वीडियो को किसी भी ग्रुप एवं व्यक्तिगत तौर पर प्रेषित करने से बचना चाहिए। इससे दिन रात और लगातार कार्य करने वाले कोरोना वारियर्स का मनोबल गिरता है। अरुण वर्मा ने बताया कि कोविड सेंटर, अस्पताल की अव्यवस्था बताते हुए वायरल हो रहे वीडियो क्लिप का खंडन करते हैं। आप सभी इस प्रकार के वीडियो प्रेषित न करें, ऐसे वीडियो से सावधान रहें।

निधन

पुखराज जैन

भिलाई। वरिष्ठ पत्रकार सी सेक्टर.1 निवासी पुखराज जैन (तातेड) का 23 अप्रैल की रात्रि 11बजे इलाज के दौरान राजधानी रायपुर के एमएमआई अस्पताल में देहांत हो गया। वे 80 साल के थे उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम मे किया गया। वे लीला जैन के पति, सीए ब्रांच भिलाई के पूर्व अध्यक्ष पीयूष जैन, पदमा जैन, प्रीति के पिता थे।

कृष्णकांत अग्रवाल

दुर्ग। कसारीडीह सुभाष नगर निवासी कृष्णकांत अग्रवाल 52 वर्ष का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व हरिभाधव अग्रवाल के पुत्र, अभय, सुनील, संजय के भाई और डॉ. गरिमा व विनीत अग्रवाल के पिताजी थे।

दिनेश बेलचंदन

दुर्ग। पांच बिल्डिंग निवासी दिनेश बेलचंदन (व्याख्याता) शासकीय उ. मा. विद्यालय बघेरा का निधन हो गया। वे विगत एक सप्ताह से कोविड संक्रमण से पीड़ित थे। वे अपने पीछे पुत्र अंकित बेलचंदन, पुत्री पीहू बेलचंदन व धर्मपत्नी श्रीमती बेलचंदन को छोड़ कर चले गए।

रामकुमार मिरी

रायपुर। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे पापा श्री रामकुमार मिरी (भू त पू र्व स र प च गिरौदपुरी) का 24.04.2021 को रात में कोरोना (कोविड) के कारण निधन हो गया।

ऑनलाईन व्याख्यान हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के पूर्ण हुए 6 वर्ष

विद्यार्थियों को सामाजिक दायित्व का बोध कराना हमारा कर्तव्य : डॉ. पल्टा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय ने 24 अप्रैल 2015 को अपनी स्थापना के पश्चात् आज 6 वर्ष पूर्ण कर लिये। कोरोना संक्रमण एवं लॉकडाउन के कारण आज विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर कोई औपचारिक समारोह भौतिक रूप से आयोजित नही हो पाया। परन्तु स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी शोधरत् विद्यार्थियों की कोसवर्क संबंधी ऑनलाईन व्याख्यान श्रृंखला के पूर्व एक छोटे से कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने आज लगभग 600 से अधिक शोधार्थियों, प्राचार्यो, प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों को संबोधित किया। कुलसचिव डॉ. सी.एल. देवांगन भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अपने संबोधन में डॉ. पल्टा ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों का यह दायित्व है कि विद्यार्थियों को सामाजिक दायित्व का बोध अवश्य करावें। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले निजी महाविद्यालय एम.जे. कॉलेज भिलाई ने बढ़ते कोरोना संक्रमण के संदर्भ में मरीजों को होने वाली ऑक्सीजन की उपलब्धता की कठिनाई के निवारण हेतु आम नागरिकों हेतु उपलब्ध दो ऑक्सीजन कॉसन्ट्रेटर को डॉ. पल्टा ने लोकार्पित किया कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने एम.जे. कॉलेज, भिलाई के इस समाजसेवी कदम की सराहना करते हुए कहा कि अन्य महाविद्यालयों के लिये अनुकरणीय है। एम.जे. महाविद्यालय की डायरेक्टर श्री लेखा वेरूलकर ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सहयोग के लिये धन्यवाद देते हुए कहा कि सामाजिक उत्थान के लिए एम.जे. कॉलेज हमेशा प्रतिबद्ध है। डॉ. वेरूलकर ने बताया कि 300 रू. प्रतिदिन के हिसाब से यह ऑक्सीजन कांस्ट्रेटर पर ले जाने हेतु मरीजों को प्रदान किया जावेगा। विश्वविद्यालय को वार्षिक परीक्षाओं में इस वर्ष लगभग 1,63,000 विद्यार्थी तथा सेमेस्टर परीक्षाओं में लगभग 26000 विद्यार्थी प्रविष्ट होंगे। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों हेतु पृथ्क-पृथ्क अनेक ऑनलाईन स्पर्धाएं आयोजित की गई है। डॉ. पल्टा ने बताया कि विश्वविद्यालय के नये भवन का निर्माण कार्य पोटियाकला, दुर्ग में प्रगति पर है। कोविड- 19 के कारण निर्माण प्रक्रिया थोड़ी धीमी हुई है। हम आने वाले वर्ष में नये भवन में शिफ्ट हो जायेंगे ऐसी आशा है। डॉ. पल्टा ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय में शिक्षण विभाग आरंभ करने के प्रयास भी विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार कर रहा है। शासन द्वारा अनुमति प्राप्त होते ही यह कक्षाएं आरंभ हो जायेंगी। विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में माननीय कार्यपरिषद् के सभी सदस्यों, विद्यापरिषद् के समस्त संकायाध्यक्षों, अध्ययनमंडलों के अध्यक्षों व सदस्यों को भी कुलपति डॉ. पल्टा ने धन्यवाद दिया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया।

रेमडेसिविर इंजेक्शन की खाली व्हायल मेंटेन करना जरुरी होगा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन के क्रय.विक्रय संबंधी दस्तावेजों के संधारण के निर्देश राज्य के सभी प्रायवेट कोविड सेंटरों, हास्पिटलों के संचालकों व नोडल अधिकारियों को दिए गए हैं। आदेश में कहा गया है कि राज्य में कोविड.19 से संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। कोविड.19 से संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन का जीवन रक्षक औषधि के रूप में उपयोग किया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन का वितरण उपलब्धता के अनुसार, समस्त प्राइवेट सेंटर, अस्पतालों में किया जा रहा है। विभिन्न समाचार माध्यमों से रेमडेसिविर इंजेक्शन के नकली व कालाबाजारी से संबंधित सूचना प्राप्त हो रही है। सभी प्रायवेट कोविड सेंटरों, अस्पतालों के संचालकों, नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उनके संस्थान द्वारा खरीदी गई और मरीजों के उपचार हेतु उपयोग में लाए इंजेक्शन के शत् प्रतिशत क्रय विक्रय संबंधी दस्तावेजों को मेंटेन करना सुनिश्चित करें। मरीजों को वितरित इंजेक्शन की खाली व्हायल को मरीज के नाम के साथ संधारण करें।

सीएम ने पीएम को लिखा पत्र-एयरपोर्ट को अपग्रेड करने किया अनुरोध

- रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में अपग्रेड करने का किया अनुरोध
- कार्गो हब की उपलब्धता से राज्य के विकास की क्षमता को मिलेगी और अधिक मजबूती

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में अपग्रेड करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि कोविड महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद छत्तीसगढ़ देश के सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में से एक रहा है।औद्योगिक मोर्चे पर राज्य के समृद्ध खनिज संसाधनों पर आधारित लोहा और इस्पात, सीमेंट, विद्युत और अन्य कोर क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद छत्तीसगढ़ विकास की और अधिक बेहतर संभावनाओं के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने पत्र में उल्लेख किया है कि हम 'नया रायपुर' को इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी / आईटीईएस और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किये जाने को बढ़ावा दे रहे हैं । अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इस इको-सिस्टम का अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है। अंतरराष्ट्रीय उद्यमियों और निवेशकों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से निवेश की गति को प्रोत्साहन मिलेगा। आजीविका की तलाश में राज्य से बाहर पलायन की स्थिति कम होगी। साथ ही रोजगार के अवसर उत्पन्न होने से छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था के विकास को गति मिलेगी। राज्य में निर्यात के लिए हमारी तैयारियों को प्रदर्शित करते हुए राज्य और जिलास्तरीय निर्यात संवर्धन समितियाँ पहले ही क्रियाशील हो गई हैं।

हमारी नई औद्योगिक नीति में बागवानी और गौण वनोपजों पर आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर विशेष फोकस है, जिसमे निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। राज्य की प्रशासनिक मशीनरी ने भी इस क्षमता का उपयोग करने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

इस दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार द्वारा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया को 344 एकड़ भूमि अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए रनवे का विस्तार करने के लिए प्रदान की गई है। रनवे की लंबाई 7500 फीट तक बढ़ा दी गई है। पुराने टर्मिनल भवन को कार्गो हब में परिवर्तित करने की सैद्धांतिक मंजूरी पहले से ही प्रदान कर दी गई है। राज्य सरकार पुराने टर्मिनल को कार्गो हैंडलिंग फैसिलिटी के रूपांतरण में शामिल खर्च को वहन करने को तैयार हैं। स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित करना महान संत श्री विवेकानंद जी को एक श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पत्र के अंत मे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के पुराने टर्मिनल को कार्गो हब और 'स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट घोषित करने का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पुनः अनुरोध किया है।

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में अपग्रेड करने का किया अनुरोध

पत्र में उल्लेखित है कि रायपुर में स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के 2012 में नए टर्मिनल की कमीशनिंग के कुछ ही वर्षों के बाद स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को दो बार गैर-मेट्रो श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे के रूप में मान्यता प्रदान की गई। हमें दृढ़ विश्वास है कि रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में अपग्रेड करने और कार्गो हब की उपलब्धता से राज्य के विकास की क्षमता को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही इससे छत्तीसगढ़ राज्य को देश के केंद्रस्थल में स्थित होने का बेहतर लाभ भी प्राप्त हो सकेगा।

न्यूज गैलरी

भगवान महावीर ने समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम और करूणा का संदेश दिया : उइके

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा कि भगवान महावीर ने समाज में व्याप्त अंधविश्वासों, आडम्बरों और कुरीतियों को समाप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने सत्य, अहिंसा, प्रेम और करुणा का संदेश दिया। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांत और उपदेश आज भी जनसामान्य के लिए प्रासंगिक हैं। भगवान महावीर का जीवन हम सभी को अनुशासन, तप और संयम को अपने जीवन मे उतारने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का दर्शन अशांत विश्व को शांति का सन्देश दे सकता है और दुनिया को हिंसा व आतंकवाद से मुक्ति दिला सकता है। भगवान महावीर के जीवन आदर्शों का पालन करने पर हम सभी प्रकृति के अनुकुल रहेंगे और सदैव निरोगी रहेंगे तथा संक्रामक बीमारियों से भी हमारी रक्षा होगी।

महावीर जयंती पर मुख्यमंत्री बघेल ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री बघेल ने कहा है कि भगवान महावीर ने समाज को सत्य, अहिंसा, प्रेम और करूणा का संदेश दिया। उन्होंने अहिंसा को सभी धर्मो से सर्वोपरि बताया है। भगवान महावीर ने लोगों को 'जियो और जीने दो' की सीख दी। उनके सिद्धांत और उपदेश आज भी प्रासंगिक हैं। श्री बघेल ने आम जनता से कहा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए समाज हित में अपने घरों में रहकर ही महावीर स्वामी की जयंती मनाएं। हम सभी महावीर स्वामी की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए दीन-दुखियों और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आएं।

विस अध्यक्ष डॉ महंत ने महावीर जयंती पर दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने स्वामी भगवान महावीर जयंती पर्व पर प्रदेशवासियों को दी बधाई शुभकामनाएं। डॉ महंत ने अपने बधाई संदेश में कहा कि, भगवान महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, जिनका जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, के उपदेश एक खुली किताब की भाँति है। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए। डॉ महंत ने कहा कि, महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन, कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता हैं।

कोरोना 'रिकॉर्ड तोड़': 17397 नए मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 17397 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार बीते 24 घंटे में 14052 मरीज डिस्चार्ज, स्वस्थ हुए हैं। वहीं दूसरी ओर 219 मरीजों की उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रदेश में अब तक 6674 कोरोना संक्रमित मरीज की मौत हो चुकी है। 17397 नए संक्रमित मरीजों की पुष्टि होने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6 लाख 22 हजार 965 संक्रमित हो गई है। छत्तीसगढ़ में अब तक 4 लाख 92 हजार 593 मरीज स्वस्थ हुए हैं। नए मरीज मिलने और डिस्चार्ज होने के बाद अब सक्रिय मरीजों की संख्या 1,23,479 हो गई है।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा दिशा निर्देश जारी

रायपुर। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा राज्य के समस्त कलेक्टरों और राज्य स्तरीय समन्वयक ऑयल उद्योग, रायपुर को घर पहुंच सेवा के माध्यम से सभी उपभोक्ताओं को घरेलू गैस प्रदाय किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देश में उल्लेखित है कि कतिपय जिलों से यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कुछ गैस वितरकों के द्वारा कोविड-19 संक्रमित व्यक्तियों के निवास स्थान तक घर पहुंच सेवा के माध्यम से घरेलू एल.पी.जी. गैस प्रदाय नहीं किया जा रहा है। अतः समस्त गैस वितरकों को अनिवार्य रूप से पूर्व की भांति सभी उपभोक्ताओं के निवास स्थान तक घर पहुंच सेवा के माध्यम से घरेलू एल.पी.जी. गैस प्रदाय किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

निजी और सरकारी अस्पतालों को रेमडेसिविर इंजेक्शन के स्टॉक और उपयोग की जानकारी प्रतिदिन देनी होगी

- मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी करेंगे निरीक्षण
- मानिटरिंग सिस्टम पोर्टल पर निजी और सरकारी कोविड अस्पतालो में बेड उपलब्धता की सही जानकारी दिन में चार से पांच बार अपडेट करनी होगी

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग ने निजी कोविड अस्पतालों और शासकीय कोविड अस्पतालों ,कोविड केयर सेंटर आदि में रेमडीसीविर इंजेक्शन के उपयोग और रिकार्ड रखने के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। संचालक स्वास्थ्य सेवाएं श्री नीरज बंसोड़ द्वारा इस संबंध में 23अप्रैल को निर्देष जारी किए गए हैं। मुख्य स्वास्थ्य एव चिकित्सा अधिकारियों को इस संबध में औचक निरीक्षण करने भी कहा गया है। निर्देश मे कहा गया है कि राज्य शासन के ध्यान में आया है कि विगत कुछ दिनों से राज्य में कोविड19 से संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग में बढ़ोत्तरी हुई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए छत्तीसगढ़ एपिडेमिक डीजिस कोविड 19 रेगुलेशन 2020 एवं महामारी अधिनियम 1897 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अधीन रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग एवं रिकार्ड संधारण के संबंध में दिशा निर्देश प्रसारित किए गए हैं।

ट्रीटमेंट प्रोटोकाल और आईसीएमआर द्वारा जारी निर्देश अनुसार

रेमडेसिविर का उपयोग स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी टीटमेंट प्रोटोकाल और आई सी एम आर द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार किया जाए। अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों हेतु रेमडेसिविर लगाने की आवश्यकता का असेसमेंट अस्पताल में कार्यरत मेडिसीन विशेषज्ञ,पलमोनोलाजिस्ट,इंटेसिविस्ट अथवा अधिकृत चिकित्सक द्वारा किया जाएगा और इनके अनुमोदन के बाद ही इसे कोविड मरीजों को लगाया जाए। निर्देश में कहा गया है कि अस्पताल में रेमडेसिविर का स्टाक समाप्त होने पर मरीज के परिजनों को बाहर से व्यवस्था करने के लिए कहा जा रहा है।

स्टाक खत्म होने से पहले सूचित करें

अस्पताल में रेमडेसिविर का स्टाक खत्म होने के पूर्व ही खाद्य और औषधि प्रषासन /जिला प्रशासन से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। अस्पतालों की ओ पी डी में रेमडेसिविर लगाना प्रोटोकाल के विरूद्ध. है। रेमडेसिविर के उपलब्ध स्टाक की एन्ट्री, खाली वायल, किसको लगाया गया इसकी समीक्षा और निरीक्षण जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा किया जाएगा। अस्पतालों द्वारा प्रतिदिन रेमडेसिविर के उपलब्ध स्टाक,खपत और मांग के संबंध मे पिछले दिवस की जानकारी सुबह 11 बजे मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी कों अनिवार्यतः भेजा जाए। निर्देश में कहा गया है कि जिले के डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर हेतु आबंटित रेमडेसिविर इंजेक्शन का स्टाक रेडक्रास स्टोर या शासकीय संस्था द्वारा संचालित जनऔषधि केन्द्रों में नही दिया जाए ताकि कोविड अस्पतालोंमें यह पर्याप्त उपलब्ध रहे।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी सीएमएचओ और सिविल सर्जन्स को जारी किया परिपत्र

स्वास्थ्य विभाग ने मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों और डेडीकेटेड कोविड अस्पतालों के आईसीयू में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने चिकित्सालय भवन में ऐसे स्थानों या वार्डों के चिन्हांकन के निर्देश दिए हैं जहां पर सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है। संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं श्री नीरज बंसोड़ ने सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन को परिपत्र जारी कर इस संबंध में निर्देशित किया है।

आईसीयू बिस्तर बढ़ाने निर्देश

स्वास्थ्य विभाग ने परिपत्र में कहा है कि वर्तमान में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रदेश के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला चिकित्सालयों और डेडीकेटेड कोविड अस्पतालों में ऑक्सीजन सुविधा वाले बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई है। इसके लिए वहां सेंट्रल ऑक्सीजन पाइपलाइन, ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट, लिक्विड ऑक्सीजन टैंक इत्यादि भी स्थापित किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन नई विकसित सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आईसीयू में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए उपयुक्त स्थलों या वार्डों के चिन्हांकन के निर्देश दिए हैं।

राज्य शासन कोविड मरीजों की समुचित देखभाल के लिए युद्ध स्तर पर प्रयासरत

- कोविड मरीजों के लिए 28 हजार 454 बिस्तर जिसमें साढ़े ग्यारह हजार से अधिक ऑक्सीजन बिस्तर
- राज्य में 15 नए आक्सिजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किए गए

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन कोविड मरीजों के उपचार के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। संक्रमितों के लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाई गई, मेडिकल ऑक्सीजन एवं रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। आक्सीजेनेटेड बेड की संख्या बढ़ाए जाने के लिए राज्य में 15 नए आक्सिजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किए गए हैं। राज्य शासन ने निजी अस्पतालों में कोविड मरीजों के उपचार की मानिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए हैं।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश के 37 डेडिकेटेट शासकीय अस्पतालों और 154 कोविड केयर सेंटरों में बिस्तरों की संख्या 21565 हैं जिसमें 6310 आक्सीजन बिस्तर है। राज्य के निजी अस्पतालों में कुल 6889 बिस्तर है जिनमें से 5346 आक्सीजन बिस्तर हैं। प्रदेश में शासकीय और निजी मिला कर कुल 9132 बिस्तर ऑक्सीजन सुविधा युक्त हैं। इन अस्पतालों में लगभग 14000 चिकित्सा कार्य में तथा लगभग 29000 सहायक के कार्य में सेवाएं दे रहे हैं। राज्य में 1002 वेंटिलेटर हैं जो 526 शासकीय अस्पतालों में और 476 निजी अस्पतालों में उपलब्ध हैं। केन्द्र शासन से और वेंटिलेटर की मांग की जा रही है ।

आक्सीजेनेटेड बेड की संख्या बढ़ाए जाने के लिए राज्य में 15 नए आक्सिजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 9 प्लांट प्रक्रियाधीन हैं जो अगले सप्ताह स्थापित हो जाएंगे।। राज्य में 234 मेट्रिक टन आक्सिजन उपलब्ध है तथा इसके वितरण में सहायता के लिए 8000 इंडस्ट्रीयल सिलेंडर को मेडिकल ऑक्सिजन सिलेंडर में परिवर्तित किया जा चुका है । राज्य मे 9 लिक्विड ऑक्सिजन स्टोरेज यूनिट की स्थापना की अनुमति केंद्र शासन से ली जा रही है। कम्प्रेसड लिक्विड ऑक्सिजन ,विस्फोटक की श्रेणी में आने के कारण, पेट्रोलियम एवं इक्स्प्लोसिव सेफ्टी आर्गेनाइजेशन से अनुमति की आवश्यकता होती है। इंजेक्शन रेमडेसिविर की कमी दूर करने के लिए आज 15000 इंजेक्शन अस्पतालों में भर्ती रोगियों को उपलब्ध कराया जा रहा है । राज्य में 1915 टेस्ट प्रति मिलियन किए जा रहे है जबकि राष्ट्रीय औसत 1480 है। कोरोना रोगियों की जाँच नियमित रूप से आरटीपीसीआर, ट्रु नाट और ऐंटिजेन विधि से की जा रही है । कल 55 हजार से अधिक टेस्ट किए गए थे।

सकारात्मक सोच के साथ चिकित्सकों द्वारा बताए जा रहे बचाव के उपायों का गंभीरता से करें पालन

रायपुर। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद सकारात्मक सोच, कोविड के नियमों का पालन और चिकित्सकों द्वारा लगातार दिए जा रहे सलाह का सही तरीके से अनुसरण करते हुए कोरोना से जंग जीता जा सकता है। ऐसे ही कोरोना से जंग जीते धमतरी जिले के श्री विष्णु पटेल, श्री अरूण कुमार साहू और श्री दुबेश्वर बिसेन ने लोगों से अपना विचार साझा किया है। धमतरी के हटकेशर वार्ड निवासी 65 वर्षीय श्री विष्णु पटेल ने कहा कि बुखार, खांसी-सर्दी होने पर उन्होंने कोविड जांच कराई। रिपोर्ट में कोविड पॉजीटिव आने के बाद 15 अप्रैल को वे जिला अस्पताल स्थित कोविड सेंटर में भर्ती हुए, जहां से ठीक होकर वे आठ दिनों बाद 23 अप्रैल को घर लौटे। उनका कहना है अब वे बेहतर महसूस कर रहे हैं , मगर थोड़ी कमजोरी अभी भी है जो समय के साथ संतुलित खानपान , रहन सहन और कोविड के नियमों का पालन करते रहने से ज़रूर दूर हो जाएगी। कुरूद के ग्राम कोंडापार के 40 वर्षीय श्री अरूण कुमार साहू ने बताया कि बीमार पड़ने के बाद वे काफी घबराए हुए थे। किन्तु चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोगात्मक रवैया, कोविड के नियमों का कड़ाई से पालन और सकारात्मक सोच की वजह से आज वे सही-सलामत घर पर हैं।

सीएम ने राष्ट्रीय स्तर पर 11 पंचायतों को ऑनलाइन प्रशस्ति पत्र भेंट कर किया सम्मानित

- मुख्यमंत्री ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री सिंहदेव को प्रशस्ति पत्र भेंट करते हुए दी बधाई

छत्तीसगढ़ राज्य को मिला राष्ट्रीय स्तर पर ई-पंचायत का द्वितीय पुरस्कार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत छत्तीसगढ़ राज्य की जिला पंचायत कोण्डागांव, जनपद पंचायत तिल्दा एवं गरियाबंद सहित 8 ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों को ऑनलाइन पुरस्कार प्रदान करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर ई-पंचायत का द्वितीय पुरस्कार मिलने पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव को भारत सरकार से प्राप्त प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और उन्हें इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के नक्सल प्रभावित क्षेत्र भोपालपट्टनम की ग्राम पंचायत गोटाईगुड़ा को भी नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार से नवाजा गया है। यह हम सब के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री राजेश तिवारी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर., मुख्य मंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, संचालक, पंचायत मोहम्मद कैसर अब्दुल हक भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जिला पंचायत कोण्डागांव, जनपद पंचायत गरियाबंद एवं तिल्दा, जनपद पंचायत अम्बिकापुर की ग्राम पंचायत सरगवां, जनपद पंचायत लुन्ड्रा जिला सरगुजा की ग्राम पंचायत रिरी, गुण्डरदेही जनपद पंचायत जिला बालोद की ग्राम पंचायत माहुद (अ), जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम की ग्राम पंचायत महराटोला, जनपद पंचायत जिला रायपुर की ग्राम पंचायत बैहार को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार तथा जनपद पंचायत भोपाल पट्टनम जिला बीजापुर की ग्राम पंचायत गोटाईगुड़ा को नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार, जनपद पंचायत अभनपुर जिला रायपुर की ग्राम पंचायत नवागांव (ल) को बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार तथा जनपद पंचायत आरंग जिला रायपुर की ग्राम पंचायत बैहार को ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार से पुरस्कृत होने पर ऑनलाईन प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आगे कहा कि हम सब को मिलकर लोगों की भलाई के लिए लगातार बिना रूके, बिना थके काम करना है। उन्होंने बीते वर्ष कोरोना संक्रमण की रोकथाम में पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आप सब की सजगता और भागीदारी से कोरोना संक्रमण की पहली लहर को हम गांव में पहुंचने से रोकने में कामयाब रहे हैं। इस बार कोरोना संक्रमण गांवों में भी होने लगा है, यह हमारे लिए चुनौती है। उन्होंने पंचायत पदाधिकारियों को सावधानी एवं सर्तकता से गांव में संक्रमण की रोकथाम के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई की सभी लोगों की भागीदारी से हम इस बार भी कोरोना को परास्त करेंगे।

मुख्यमंत्री बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से दी बधाई

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े पंचायत पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि त्रिस्तरीय पंचायती राज की परिकल्पना स्वर्गीय श्री राजीव गांधी ने की थी। अविभाजित मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री दिग्विजय सिंह की सरकार के कार्यकाल में पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई। इसमें महिलाओं को आरक्षण के साथ ही अनुसूचित, जाति जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को आरक्षण दिया गया। मुख्यमंत्री ने पंचायती राज व्यवस्था में बेहतर भागीदारी के लिए महिला पदाधिकारियों को विशेष रूप से बधाई दी।

मनोरंजक मजेदार कहानी है 'अनफेयर एंड लवली' : इलियाना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म 'अनफेयर एंड लवली' मनोरंजन से भरपूर मजेदार कहानी है जो बेहद संवेदनशील विषय को छूती है।

इलियाना डिक्रूज जल्द ही फिल्म 'अनफेयर एंड लवली' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर रणदीप हुड्डा लीड रोल में हैं। इलियाना डिक्रूज ने बताया कि उनकी फिल्म की कहानी काफी मजेदार है। इलियाना ने कहा, फिल्म की कहानी खूबसूरती से लिखी गई है। यह एक मनोरंजक मजेदार कहानी है जो बहुत संवेदनशील विषय को छूती है। यह आपको सबसे अधिक मानवीय दृष्टिकोण देती है। लोग इससे रिलेट कर पाएंगे और इससे उन लोगों का दिमाग भी खुल जाएगा कि इस देश में रंग की बात आए तो संकीर्ण नहीं होना चाहिए।

इलियाना डिक्रूज ने कहा, ÷रंग सुंदरता को परिभाषित नहीं करता है। यह कुछ ऐसा है कि, रात में आकाश सुंदर नहीं है, लेकिन यह वैसा ही है जैसा कि सितारों को देखने के लिए मिलता है। बताया जा रहा है कि फिल्म 'अनफेयर एंड लवली' फिल्म में दिखाया जाएगा कि एक सांवली लड़की को क्या-क्या परेशानी झेलनी पड़ती है। समाज उसे कैसे ट्रीट करता है। फिल्म में इलियाना एक हरियाणा की लड़की का रोल प्ले करते नजर आएंगी।

रितेश देशमुख ने लोगों से मास्क पहनने की अपील की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रितेश देशमुख ने लोगों से मास्क पहनने की अपील की है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच रितेश देशमुख ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि वह मास्क पहन कर के ही घर से निकले और अपना ख्याल रखेंद्य रितेश देशमुख ने इंस्टाग्राम पर एक छोटी वीडियो शेयर की है। इसमें उन्हें अपने प्रशंसकों से मास्क पहनने की अपील करते हुए देखा जा सकता है। रितेश देशमुख कहते नजर आ रहे है, 'मास्क पहनो और सही तरह से पहनो।÷ रितेश देशमुख के वीडियो में गाना 'कर हर मैदान फतेह' भी चल रहा है। वीडियो के अंत में एक मैसेज आता है कि अपना ध्यान रखिए, कोरोना महामारी की दूसरी लहर काफी भयावह है।

लोगों की मदद करने के अभियान में जुटी भूमि

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच लोगों की मदद करने के अभियान में जुट गयी हैं। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच बॉलीवुड के कई सेलेब्रिटीज़ ने लोगों को सीधे मदद करने का भी ज़िम्मा उठा लिया है। वहीं, भूमि पेडनेकर ने अपने ट्विटर एकाउंट के ज़रिए लोगों की मदद करने का अभियान शुरू किया, जिसके तहत भूमि ने एक फॉर्म का प्रारूप पोस्ट किया है, जिसमें मरीज़ का नाम, उम्र, लिंग, हॉस्पिटल, ब्लड ग्रुप की जानकारी मांगी गयी है। भूमि ने लिखा, जो लोग मदद के लिए आ रहे हैं, वो इस फॉर्मेट में भेजें।

भूमि के अलावा मनोज बाजपेयी, सुशांत सिंह, अनुभव सिन्हा, वीर दास जैसे सेलेब्रिटीज़ अपने ट्विटर एकाउंट्स से लोगों की अपील को रीट्वीट करके एम्प्लीफाई कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा भी लगातार कोविड इंडिया हैशटैग के साथ ज़रूरी जानकारियां शेयर और रीट्वीट कर रही हैं। सोनम कपूर इन दिनों लंदन में हैं, लेकिन उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स को कोविड-19 मरीज़ों की मदद के लिए खोला हुआ है। इंस्टाग्राम पर सोनम ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि इंस्ट्राग्राम के ज़रिए उन्होंने कोविड-19 रिसोर्सेज़ को शेयर किया है। सोनम ने कहा कि अपनी ज़रूरत को उन्हें टैग कीजिए और वो उसे एम्प्लीफाई करेंगी। ट्विटर के ज़रिए सोनम इस काम में जुटी हैं।

इंस्टाग्राम पर तारा सुतारिया के हुए 60 लाख फॉलोअर्स

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तारा सुतारियो के फॉलोअर्स की संख्या इंस्टाग्राम पर 60 लाख हो गयी है। तारा सुतारिया सोशल मीडिया पर अपने फोटोज-वीडियो के चलते सुर्खियों में रहती हैं। तारा सुतारिया के इंस्टाग्राम पर छह मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हो गए हैं। इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर फैंस का धन्यवाद किया है, जिसमें वह 60 लाख फॉलोअर्स पूरे होने की खुशी में जश्न मानती नजर आ रही हैं।

फोटो को इंस्टा. स्टोरी पर शेयर कर तारा सुतारिया ने अपने फैंस का धन्यवाद करते हुए लिखा, ÷मुझे हमेशा प्यार करने के लिए धन्यवाद, मेरी प्यारी इंस्टा. फैमिली आपके लिए 6 मिलियन किस और हग! सुरक्षित रहें और खुश रहें.... हम इस बार एक साथ थ्रो करेंगे।

जगन शक्ति की फिल्म में फिर काम करेंगे अक्षय कुमार

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार एक बार फिर निर्देशक जगन शक्ति की फिल्म में काम करते नजर आयेंगे। अक्षय कुमार ने जगन शक्ति के साथ फिल्म 'मिशन मंगल' में काम किया था। अक्षय फिर जगन शक्ति की फिल्म में काम करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। यह फिल्म आज की परिस्थिति में बनेगी। बताया जा रहा है कि इस में अक्षय लॉ एनफोर्समेंट ऑफिसर की भूमिका निभाएंगे। अक्षय इन दिनों अपने अन्य प्रोजेक्ट में व्यस्त हैं।

न्यूज गैलरी

रुपया सात पैसा लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को सात पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति? पर एक डॉलर 75.01 रुपये का बिका।

चार कारोबारी दिवस में भारतीय मुद्रा 66 पैसे लुढ़क चुकी है। गुरुवार को यह छह पैसे की गिरावट के साथ 74.94 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी।

रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह आठ पैसे टूटकर 75.02 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 75.07 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया। घरेलू शेयर बाजारों की गिरावट से रुपये पर भी दबाव पड़ा। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक के कमजोर पड़ने से बाद में कुछ वापसी करता हुये रुपया 74.75 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ। अंत में यह 75.01 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बैंकों ने बाद के कारोबार में डॉलर की खरीद की जिससे रुपया अंततः लाल निशान में बंद हुआ।

देशभक्ति दिखाने का सही समय : सोनू सूद

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद का कहना है कि देश के लिए कुछ करने और देशभक्ति दिखाने का इससे ज़रूरी समय कभी नहीं आएगा।

देश इस वक्त कोरोना वायरस महामारी के बुरे दौर से गुज़र रहा है। सोनू सूद अपने सोशल मीडिया एकाउंट के ज़रिए ज़रूरतमंदों को दवाइयों और ऑक्सीजन की व्यवस्था करवा रहे हैं। सोनू सूद ने ट्वीट किया, ÷15 अगस्त को देशभक्ति दिखाने वालों के लिए संदेश- देश के लिए कुछ करने और देशभक्ति दिखाने का इससे ज़रूरी समय कभी नहीं आएगा।

इससे पहले सोनू ने ट्वीट किया, ÷ऑक्सीजन, रेमडेसिविर और बेड्स। सुबह से आधी रात और अगली सुबह तक। यही तीन शब्द। कभी मैं पास हो जाता हूं, कभी फेल। लेकिन, मैं कोशिश करता रहूंगा। ईश्वर सबकी रक्षा करें। मैं आप लोगों के साथ हूं।

थाडम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे आदित्य

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर दक्षिण भारतीय फिल्म थाडम के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आ सकते है। साउथ की सुपरहिट फिल्म 'थाडम' के हिंदी रीमेक को लेकर काफी समय से चर्चा हो रही है। काफी समय से चर्चा चल रही थी कि इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आने वाले हैं।

भारत ने 11 पदकों के साथ युवा विश्व मुक्केबाजी का समापन

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत के पुरुष मुक्केबाज सचिन (56 किग्रा) ने पोलैंड के किल्से में एआईबीए यूथ पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शुक्रवार को अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जीत दर्ज करके स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

इसके साथ ही भारत ने 8 स्वर्ण सहित 11 पदकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सभी 7 स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाले। पुरुष टीम ने एक स्वर्ण और तीन कांस्य पदक जीते।

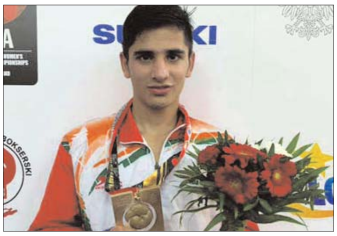

20 सदस्यीय भारतीय दल ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए 11 पदक हासिल करके इतिहास रच दिया है। इससे पहले, भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 पदकों का था, जो उसने 2018 में हंगरी में विश्व युवा चैंपियनशिप में जीता था।

पुरुषों के मुकाबले में फाइनल में पहुंचने वाले एकमात्र हरियाणा के भिवानी जिले के सचिन ने टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दिन स्वर्ण पदक मुकाबले में कजाखस्तान के यब्बोलबाट साबिर को 4-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले गुरुवार को, भारतीय महिलाओं की टीम ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक प्राप्त किये । गीतिका (48 किग्रा), नोरेम बेबीरोजाना चानू (51 किग्रा), पूनम (57 किग्रा), विंका (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (69 किग्रा), टी सानामाचा चानू (75 किग्रा) और अल्फिया पठान (81 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। सात स्वर्ण पदकों के साथ महिला टीम नंबर 1 स्थान पर रही।

पुरुषों के वर्ग में विश्वामित्र चोंगथोम (49 किग्रा), अंकित नरवाल (64 किग्रा) और विशाल गुप्ता (91 किग्रा) ने सेमीफाइनल में देश के लिए तीन कांस्य पदक जीते। भारत ने इससे पहले गुवाहाटी में 2017 में पांच स्वर्ण पदक जीते थे।

पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार नवें दिन स्थिर

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल के दाम शनिवार को लगातार नवें दिन स्थिर रहे। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल आज 90.40 रुपये और डीजल 80.73 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। पंद्रह दिन स्थिर रहने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने ग?त 15 अप्रैल को इनमें कटौती की थी। इसके बाद से फिर दोनों ईंधनों के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रहे। पेट्रोल-डीजल के दाम की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.19 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 582 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार, 16 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 1.19 अरब डॉलर बढ़कर 582.41 अरब डॉलर पर रहा। इससे पहले 09 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 4.34 अरब डॉलर बढ़कर 581.21 अरब डॉलर पर था।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि 16 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.13 अरब डॉलर चढ़कर 540.59 अरब डॉलर पर रहा। स्वर्ण भंडार भी 3.40 करोड़ डॉलर बढ़कर 35.35 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.97 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 60 लाख डॉलर की बढ़त के साथ 1.50 अरब डॉलर रहा।

टीम के युवा खिलाड़ियों ने किया अच्छा प्रदर्शन : लोकेश राहुल

चेन्नई (वार्ता)। पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां शुक्रवार को आईपीएल 14 के 17वें मुकाबले में बड़ी जीत के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान और मैन ऑफद मैच रहे लोकेश राहुल ने कहा कि वह खुद को बहुत आगे नहीं ले जाना चाहते हैं। वह धीरे-धीरे एक टीम के रूप में आगे आ रहे हैं। वह अभी भी एक युवा टीम हैं और इस मैच में टीम के युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

राहुल ने मैच के बाद कहा,÷ हम हर साल नए खिलाड़ियों को लाते हैं, इसलिए धैर्य रखना जरूरी है। हमने जिन खिलाड़ियों का समर्थन किया है और अवसर दिए हैं वे धीरे-धीरे उभर रहे हैं। दीपक हुड्डा अच्छा खेल रहे हैं। शाहरुख को मौका मिला और उन्होंने इस मौके का बखूबी फायदा उठाया। वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। बिश्नोई ने आज अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी की। मुझे यकीन है कि इससे बिश्नोई का आत्मविश्वास बढ़ेगा। दुर्भाग्यवश वह शुरुआती मुकाबले नहीं खेल पाए। वह अनिल भाई (कुंबले) के साथ सच में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्हें कुछ चीजों को ठीक करने की जरूरत थी और आज उन्होंने बहादुरी से गेंदबाजी की। यह देखना बहुत अच्छा था।

उन्होंने अपना मानसिक संतुलन बनाए रखा और अच्छी गेंदबाजी की। पंजाब के कप्तान ने कहा, शायद अब हम आगे की ओर बढ़ना जारी रख सकते हैं और अगले हर मैच में दो अंक हासिल कर सकते हैं। दूसरी पारी में बल्लेबाजी को लेकर मेरी प्रमुख कोच के साथ थोड़ी लंबी बातचीत हुई थी।

प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात में 26 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली (वार्ता)। कोविड संकट के बावजूद वर्ष 2020-21 के अप्रैल से फरवरी के दौरान गत वर्ष की तुलना में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में 26.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

वर्ष 2020-21 में अप्रैल से फरवरी के दौरान कुल 43798 करोड़ रुपए के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थो का निर्यात किया गया। जिन प्रमुख खाद्य पदार्थो का निर्यात किया गया उनमें दाल, प्रसंस्कृत सब्जियां, फल, जूस, मूंगफली, मोटे अनाज़ के उत्पाद, एल्कोहलिक पेय और तिलहन शामिल है। मूल्य संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत सब्जियां, एल्कोहलिक पेय और मिल उत्पाद में वर्ष 2019-20 की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय स्नैक्स , सॉसेज , स्टार्च उत्पाद ,माल्ट उत्पाद आदि के निर्यात में 33 से 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनाज आधारित प्रसंस्कृत उत्पादों में 18 प्रतिशत , फल और जूस में 12 प्रतिशत , मूंगफली में सात प्रतिशत तथा ऑयल मिल में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोविड संकट के दौरान पूरे विश्व में व्यवसायिक बाधाओं के बावजूद प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में 26 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि लगातार किए जा रहे प्रयासों और अन्य आवश्यक कदम उठाए जाने के कारण संभव हो सका।

बल्लेबाजी के लिए बुरी नहीं थी पिच, फिर भी बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे : रोहित

चेन्नई (वार्ता)। पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां शुक्रवार को आईपीएल 14 के 17वें मुकाबले में हार का सामने करने वाले मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने पर्याप्त रन नहीं बनाए। उन्हें लगता है कि बल्लेबाजी के लिए यह पिच बुरी नहीं थी, लेकिन टीम एक बार फिर बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रहे। रोहित ने मैच के बाद कहा, ÷ आपने देखा कि कैसे पंजाब किंग्स ने बल्लेबाजी की और नौ विकेट से मैच जीत लिया। यह सिर्फयोजना पर अमल करने जैसा है जो हमारी बल्लेबाजी में गायब है। अगर आप इस विकेट पर 150 से 160 रन बनाते हैं तो आप हमेशा खेल में बने रहते हैं। यही वह चीज है जो हम पिछले दो मैचों में नहीं कर पाए। आप इसे किसी भी तरह से देख सकते हैं। मुझे लगता है कि पंजाब के गेंदबाजों ने पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी की। ईशान हिट करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं कर पा रहे थे और यहां तक कि मैं भी हिट नहीं कर पा रहा था। हमने इससे पहले पावरप्ले में अच्छी बल्लेबाजी की थी, लेकिन आज हम ऐसा करने में नाकाम रहे। हमारे बल्लेबाजी लाइन-अप में कुछ गायब है। हम उस लय में 20 ओवर तक बल्लेबाजी करने में सक्षम नहीं बन पा रहे हैं जो हम चाहते हैं और हमें देखना होगा कि इस पर हम क्या कर सकते हैं। मुंबई के कप्तान ने कहा, ÷ यह सिर्फ एक सामरिक बात है। हम एक ऐसा खिलाड़ी चाहते हैं जो बीच के ओवरों में स्पिनरों के खिलाफअच्छी बल्लेबाजी करे और सूर्य कुमार यादव ने ऐसा करके भी दिखाया है, लेकिन जब आप इतनी चुनौतीपूर्ण पिच पर खेलते हैं तो आपको सभी संभावनाओं के

धमाकेदार मुकाबला

आरसीबी का मौजूदा नेट रन रेट +1.009 जबकि सीएसके का +1.142 है

बेंगलुरु और चेन्नई के बीच नंबर एक के लिए होगी जबरदस्त भिड़ंत

मुंबई (वार्ता)। आईपीएल 14 की अब तक की सफल और टॉप दो टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच यहां रविवार को नंबर एक के लिए जबरदस्त भिड़ंत होगी। फिलहाल आरसीबी आठ अंकों के साथ पहले और सीएसके छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

यह मुकाबला जीतने से सीएसके के अंक तो आरसीबी के बराबर ही रहेंगे, लेकिन नेट रन रेट बेहतर होने की वजह से वह आरसीबी से ऊपर आ जाएगी। आरसीबी का मौजूदा नेट रन रेट +1.009 है, जबकि सीएसके का +1.142 है। दोनों टीमों के लिए अच्छी बात यह है कि वे लगातार अपने पिछले मुकाबले जीत कर आ रही हैं। जहां आरसीबी ने लगातार चार मुकाबले जीते हैं तो वहीं सीएसके ने लगातार तीन मैचों में जीत दर्ज की है। दोनों टीमों के खिलाड़ी भी जबरदस्त फॉर्म में हैं।

आरसीबी की ओर नजर डालें तो शीर्ष और मध्य क्रम की बल्लेबाजी से लेकर उसकी गेंदबाजी अब तक शानदार रही है। टॉप ऑर्डर में विराट कोहली और देवदत्त पडिकल और मध्य क्रम में ग्लेन मैक्सवेल और एबी डिलिवियर्स का बल्ला खूब बोल रहा है। वहीं हर्षल पटेल और मोहम्मद सिराज गेंदबाजी के मोर्चे में टीम को विकेट दिला रहे हैं, हालांकि स्पिन विभाग इस मामले में थोड़ा सुस्त दिख रहा है। स्पिन विभाग की कमान संभाल रहे युजवेंद्र चहल चार मैचों में ज्यादा कुछ खास नहीं कर पाए हैं।

उधर सीएसके के खेमे में भी लगभग सभी खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में हैं। टॉप ऑर्डर में रुतुराज गायकवाड़, फाफ डू प्लेसिस और मोईन अली जैसे बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफपिछले मैच में रुतुराज ने जिस तरह से बल्लेबाजी की थी उससे सीएसके का टॉप ऑर्डर अब और मजबूत लग रहा है। वहीं गेंद के साथ दीपक चाहर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में वो धाक नजर आई है जिसके लिए वो जाने जाते हैं। पिछले चार मैचों में उन्होंने टीम के लिए पावरप्ले में न केवल किफायती गेंदबाजी की है, बल्कि शुरुआती विकेट भी दिलाए हैं जो टीम की जीत के लिए महत्वपूर्ण रहा है।

सोना 3616 रुपये हुआ महंगा

नई दिल्ली। इस साल अब तक 2396 रुपये सस्ता हो चुके सोने की चमक शादी-विवाह के सीजन शुरू होने से पहले ही बढ़ने लगी थी और आज गोल्ड की कीमत कोरोना की रफ्तार की तरह बढ़ रही है। सर्राफा बाजारों में वैसे तो 24 कैरेट सोने का भाव पिछले साल के ऑल टाइम हाई से 8448 रुपये तक गिर चुका है, लेकिन बीते सप्ताह यह 637 रुपये प्रति 10 ग्राम चढ़ गया और केवल अप्रैल की बात करें तो बीते 23 दिन में सोना 3616 रुपये महंगा हो चुका है। वहीं इस दौरान चांदी भी खूब चढ़ी। इसकी कीमतों में इस महीने अब तक 6290 रुपये की उछाल आ चुकी है। वहीं यह अपने उच्च भाव से अभी भी 6856 रुपये सस्ती है।

अगर इस साल यानी 2021 की बात करें तो गोल्ड की पिछले 30 साल में सबसे खराब शुरुआत हुई। जनवरी से ही सोने के रेट में गिरावट का दौर शुरू हुआ, लेकिन अप्रैल में सोना-चांदी दोनों अच्छी बढ़त बनाने में कामयाब रहे। सोने-चांदी की कीमतें बढ़ने से शादी-विवाह के लिए ज्वैलरी खरीदने वाले थोड़ा निराश होंगे। केडिया कमोडिटिज के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक कम रेट होने की वजह से लोअर लेबल पर खरीदारी बढ़ रही है। अगर इस वजह से सोने के रेट में उछाल आ रहा है।

नव प्रदेश | रविवारीय | रायपुर, रविवार, 25 अप्रैल 2021 | 4

जैन धर्म के चौबीसवें और अंतिम तीर्थंकर महावीर का जन्मदिन

महावीर जयंती

भगवान महावीर स्वामी का जन्म ईसा से 599 वर्ष पूर्व कुंडग्राम (बिहार), भारत मे हुआ था। वर्तमान में वैशाली (बिहार) के वासोकुण्ड को यह स्थान माना जाता है। 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण (मोक्ष) प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद इनका जन्म हुआ था। जैन ग्रन्थों के अनुसार जन्म के बाद देवों के मुखिया, इन्द्र ने सुमेरु पर्वत पर ले जाकर बालक का क्षीर सागर के जल से अभिषेक कर नगर में आया। वीर और श्रीवर्धमान यह दो नाम रखे और उत्सव किया। इसे ही जन्म कल्याणक कहते है। हर तीर्थंकर के जीवन में पंचकल्याणक मनाए जाते है। गर्भ अवतरण के समय तीर्थंकर महावीर की माता त्रिशला ने 16 शुभ स्वप्न देखे थे जिनका फल राजा सिद्धार्थ ने बताया था

महावीर की कथा

इक्ष्वाकु वंश में राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला से महावीर का जन्म हुआ था। किंवदंती है कि गर्भावस्था की अवधि के दौरान महावीर की मां को कई शुभ सपने आते थे। जैन धर्म में, गर्भावस्था के दौरान इस तरह के सपने एक महान आत्मा के आगमन का संकेत देते हैं। राजा सिद्धार्थ ने रानी के देखे गए कुल सोलह सपनों की व्याख्या की थी। यह भी माना जाता है कि महावीर के जन्म के दिन, देवराज इंद्र ने अभिषेक किया, जो सुमेरु पर्वत का अनुष्ठानिक अभिषेक है।

आध्यात्मिक घटना

जैन धर्म और धार्मिक तपस्वियों के लिए महावीर जयंती एक आध्यात्मिक अवसर है। वे अपना समय ध्यान और महावीर के श्लोकों का पाठ करने में बिताते हैं। आमतौर पर, पूजा और ध्यान का स्थान एक मंदिर होता है। भक्त देश भर में स्थित महत्वपूर्ण सामान्य और जैन मंदिरों की यात्रा भी करते हैं। कई जैन गुरुओं को मंदिरों और यहां तक ??कि घरों में महावीर की शिक्षाओं और अहिंसा तथा मानवता के सिद्धांतों के बारे में प्रचार करने के लिए आमंत्रित भी किया जाता है। महावीर जयंती का पालन करने के लिए एक सख्त उपवास का अभ्यास भी महत्वपूर्ण तरीकों में से एक है। महावीर के उपदेश के अनुसार भक्त मानवता, अहिंसा और सद्भाव को अधिक महत्व देते हैं।

निष्कर्ष

महावीर जयंती केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जैन अनुयायियों का एक प्रमुख त्योहार है। जैन धर्म का मूल सिद्धांत अहिंसा है। यह महावीर द्वारा स्वयं उनके जीवन का पहला और सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत भी है।

महावीर जयंती समारोह - प्राचीन रीति-रिवाज

महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में बिहार राज्य में वैशाली जिले के पास कुंडग्राम में हुआ था। वह जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर थे और इतिहास से पता चलता है कि उनसे पहले तीर्थंकर की जयंती सदियों से मनाई जाती थी।

कभी समय बीतने के साथ-साथ जैन धर्म के ग्रंथ खो गए थे लेकिन सौभाग्य से महावीर की शिक्षाओं का मौखिक प्रसारण बना रहा। उत्तर प्रदेश के मथुरा शहर में स्थित एक पुरातत्व स्थल महावीर जयंती के उत्सव और महावीर की शिक्षाओं के ठोस प्रमाण प्रदान करता है। इस जगह को पहली शताब्दी ईसा पूर्व से संबंधित पाया गया था। इससे पहले महावीर जयंती के समारोह अधिक आध्यात्मिक थे और उनमें आधुनिकता के उत्सव की भव्यता का अभाव था।

महावीर जयंती समारोह - आधुनिक रीति-रिवाज

महावीर जयंती के आधुनिक-दिवस समारोह प्राचीन काल की तरह ही आध्यात्मिक हैं; हालांकि, वे समय बीतने के साथ अधिक अक्खड़ और भव्य होते चले गए।

आज, जैन धर्म के अनुयायियों द्वारा सड़कों पर कई जुलूस निकाले जाते हैं। आमतौर पर, जुलूस का नेतृत्व एक प्रमुख जैन गुरु करते हैं, उसके बाद उनके शिष्य और समुदाय के अन्य लोग उनका अनुसरण करते हैं। जुलूस पूरी तरह से तपस्वी नहीं है और जैन धर्म के लोग महिलाओं और बच्चों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में आस्था रखते हैं। वे महावीर के उपदेश गाते हैं और उनके चित्र पर पुष्प चढ़ाते हैं।

महावीर के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का बड़ा तांता लगा रहता है। भक्त आमतौर पर लंबे समय तक ध्यान करते हैं और महावीर के उपदेशों का पाठ करते हैं। कई मंदिर और समुदाय गरीबों के लिए मुफ्त भोजन का आयोजन करते हैं और कपड़े भी वितरित करते हैं। भौतिकवादी संपत्ति पर आध्यात्मिक शक्ति हासिल करने के लिए महावीर जयंती के अवसर पर भक्तों द्वारा एक सख्त उपवास भी मनाया जाता है। वे फल और अनाज खाते हैं और प्याज, लहसुन या अन्य इस तरह के खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करते हैं।

महावीर जयंती का महत्व

भगवान महावीर सभी वक़्त के महानतम आध्यात्मिक गुरु के रूप में पूजनीय हैं। यहां तक ??कि राष्ट्रपिता, अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी ने एक बार कहा था कि महावीर की तुलना में अहिंसा का दूसरा सबसे बड़ा शिक्षक कोई नहीं था। महावीर की जयंती मनाने से एक संदेश मिलता है कि अहिंसा हर समय का सबसे बड़ा धार्मिक सिद्धांत है और हमें अन्य जीवित प्राणियों के साथ एकजुटता से रहना चाहिए।

यह एक ऐसा अवसर है जब जैन धर्म के बारे में अन्य धर्मों के लोगों को पता चलता है और उन्होंने इसके सिद्धांतों की प्रशंसा भी की है। महावीर की शिक्षाएँ हमें जीवन की कठिनाइयों से जूझना, सकारात्मकता बनाए रखना और उम्मीद न खोना सिखाती हैं। उनका पूरा जीवन कठिन तपस्या के माध्यम से प्राप्त आत्मज्ञान का एक उदाहरण है, केवल तभी जब किसी को उन सिद्धांतों पर पूरा विश्वास है, जिनमें वह विश्वास करता है।

महावीर जयंती अन्य जीवित प्राणियों के कष्टों के प्रति सांप्रदायिक सद्भाव और विचार को भी बढ़ावा देता है। यह हमें जानवरों, मनुष्यों और अन्य प्राणियों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करता है; जो किसी भी तरह की बीमारी, गरीबी या अन्य से पीड़ित हैं। यह किसी भी मानव के तपस्वी कर्मों को जाति, पंथ या धर्म के जनसांख्यिकीय विभाजनों से उपर रखता है।

महावीर जयंती को जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर की श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान महावीर की मूर्ति या चित्र के साथ जुलूस निकाला जाता है। इन जुलूसों को 'रथ यात्रा' कहा जाता है और भक्त महावीर को समर्पित भजन गाते हैं। साथ ही, देशभर में स्थित महावीर मंदिरों में महावीर की प्रतिमाओं का उनकी जयंती पर विधिवत अभिषेक किया जाता है। इस अभिषेक को 'अभिषेकम' कहा जाता है। भक्त अपना समय ध्यान करने और महावीर के उपदेश सुनने में व्यतीत करते हैं। जैन धर्म के पाँच नैतिक व्रतों - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, और अपरिग्रह का पालन करने के लिए भक्त इसे याद करते हैं और इसकी प्रतिज्ञा करते हैं। वे लहसुन प्याज आदि से परहेज रखने वाले, फलों और सब्जियों के सख्त आहार का भी पालन करते हैं। महावीर को भारत में अहिंसा पर उनकी शिक्षाओं के लिए भी याद किया जाता है। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि महावीर अहिंसा के सबसे बड़े लेखक हैं। महावीर के जन्म के उपलक्ष्य में भक्तों द्वारा एक अहिंसा यात्रा भी की जाती है। इस दिन की एक और महत्वपूर्ण गतिविधि में दान भी शामिल है। जैन धर्म से संबंधित भक्त, मंदिर, तपस्वी गरीब और जरूरतमंदों के लिए जो कुछ भी उनसे संभव होता है दान करते हैं। दोपहर का भोजन निःशुल्क वितरित किया जाता है, प्रसाद और कुछ स्थानों पर मौद्रिक सहायता भी प्रदान की जाती है। दिन भर ध्यान रखने और महावीर की पूजा करने के लिए देश भर के भक्त महत्वपूर्ण जैन मंदिरों में जाते हैं। कुछ महत्वपूर्ण जैन मंदिर इस प्रकार से हैं-जबलपुर में हनुमंतल, मध्य प्रदेश; माउंट आबू के पास दिलवाड़ा मंदिर; इसके अलावा गुजरात में पालिताना मंदिर।

महावीर जयंती, जैन धर्म के चौबीसवें और अंतिम तीर्थंकर महावीर का जन्मदिन है। वह जैन धर्म के सबसे श्रद्धेय आध्यात्मिक शिक्षक थे। महावीर जयंती पर उनके भक्तों द्वारा महावीर की शिक्षाओं और उपदेशों का पाठ किया जाता है जो आमतौर पर मार्च-अप्रैल के महीने में आता हैं। भगवान महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व में चैत्र के महीने में हुआ था, जो कि पारंपरिक हिंदू लुनीसोलर कैलेंडर का पहला महीना है। उनका जन्म चैत्र महीने में आधे उज्जवल चन्द्रमा के तेरहवें दिन हुआ था। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, महावीर जयंती मार्च या अप्रैल के महीनों में आती है।

महावीर स्वामी के जन्म के समय क्षत्रियकुण्ड गाव मे दस दिनो तक उत्सव मनाया गया. सारे मित्रो भाई बंधुओ को आमंत्रित किया गया, तथा उनका खूब सत्कार किया गया. राजा सिद्धार्थ का कहना था, कि जब से महावीर स्वामी का जन्म उनके परिवार मे हुआ है, तब से उनके धन धान्य कोष भंडार बल आदि सभी राजकीय साधनो मे बहुत वृध्दी हुई।माता पिता की इच्छा के कारण उन्होने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया. तथा उनके साथ उनकी एक पुत्री हुई, जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

पीपल, नीम और

पीपल, नीम और बरगद के पेड़ अधिक ऑक्सीजन ही नहीं देते हैं, बल्कि हवा को शुद्ध भी करते हैं. अतः सरकार सुनिश्चित करे कि सड़क किनारे, पार्क में और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर केवल पीपल, नीम और बरगद का ही पेड़ लगाया जाए. इसके लिए नियम-कानून भी बदलना चाहिए।

– **अनिल पाण्डेय**

एक बात आज तक

एक बात आज तक समझ नहीं आयी देश में कुछ भी होता है कोई भी आपदा की घड़ी आती है सब लोग राम मंदिर को ही क्यों निशाना बनाते है ?? माना इस समय मुश्किल घड़ी है हम सब परेशान है राम जी के मंदिर पर कटाक्ष करने की बजाय राम जी को स्मरण कीजिये ना कि भगवान इस कष्ट की घड़ी से उबारो ... पूरी दुनियां ही इस समय संकट में है। – **सुनिता बिंदल**

खास पाती

धरती को हम माँ कहते

धरती को हम माँ कहते हैं रात-दिवस इस पर रहते हैं धरती माँ कितना सहती है और सोचो हम क्या सहते हैं सबकुछ देती धरती हमको हम धरती को क्या देते हैं लाज नहीं क्यूँ आती हमको माँ का दर्जा जो देते हैं भला कौन होगा इस जग में माँ का अपनी ख्याल रखे ना माँ ने हमको जन्म दिया और हम ही माँ का ध्यान रखें ना नाहक दोहन करें न इसका हरा-भरा इसको रहने दें कौनसी चीज हमें नहीं देती सब हैं ऋणी, मुझे कहने दें।

– **जे डी कुदाल**

हर वो चीज़ जो हमारे लिए

हर वो चीज़ जो हमारे लिए जरूरी है मुफ्त उपलब्ध है ..हवा मुफ्त है.. पानी मुफ्त है .. किंतु मुफ्त की चीजें अच्छी नही होती हमे ये एहसास कराया गया.. गंदे नाली का पानी नदियों में डाला गया.. पानी दूषित किया गया..फिर उसकी पैकेजिंग.. अब हवा दूषित की जा रही है उसकी भी पैकेजिंग होगी..बड़े शहरों में शुरू हो चुकी है.. शिक्षा को भी दूषित किया गया ताकि उसकी भी पैकेजिंग हो सके ..हो रही है पैकेजिंग .. मैं शिक्षा की पैकेजिंग से आपको मुक्त करा सकता हूं। – **मनोज कुमार स्वाईन**

सचमुच पुस्तकें बन गयी हैं अभिन्न

सचमुच पुस्तकें बन गयी हैं अभिन्न अंग जीवन का। एक ऐसी मित्र ,एक ऐसी हमसफ़र,एक ऐसी,सच्ची साथी। जो कि कभी अकेला रहने ही नही देती। हां ,सच उदासी व तन्हाई को भी मात आखिर दे ही देती हैं ये पुस्तकें। ज्ञान का भंडार हैं तो दवा हैं तो दुआ भी अपार हैं पूजा की कथा-आरती हैं,प्रेम का भंडार हैं । हां पुस्तकें मेरा संसार हैं,मेरा प्यार हैं। – **सविता वर्मा 'ग़ज़ल**

जंगल कहे मैं भयावह खूंखार पृथ्वी

जंगल कहे मैं भयावह खूंखार पृथ्वी मेरी है सिंधु कहे मैं अथाह सम्पन्न पृथ्वी मेरी है पर्वत कहे मैं सबसे ऊंचा पृथ्वी मेरी है हलाकान पृथ्वी कहे जंगल, सिंधु ,पर्वत तुम बहुतेरे हो मुझमें तुम सब मेरे हो – **परमेश्वर वैष्णव**

कितनी खुशियाँ ढूँढी मैंने कितने

कितनी खुशियाँ ढूँढी मैंने कितने ग़म गुमनाम लिखूँ क्या खोया क्या पाया मैंने जीवन का परिणाम लिखूँ ख़ामोशी के शोर में गूँजी तन्हाई की शाम लिखूँ दिल में हसरत-जज़्बातों का या मचता संग्राम लिखूँ करूँ शिकायत किस्मत से क्यों गुजरे लम्हे बातों की ख़्वाब सुहाने पलकों को जो देते वो पैगाम लिखूँ प्यार-वफ़ा पर लिख दी सबने नज़्में ग़ज़ल रुबाई है पर मैं तो , ए धूल वतन की तुझ पर अपना नाम लिखूँ भले तिजारत बना रखा हो लोगो ने इस उल्फ़त को लेकिन सच्ची यही इबादत होती है बेदाम लिखूँ। - **रश्मि सक्सेना**

सकारात्मक रहिए ,स्वस्थ रहिए

सकारात्मक रहिए ,स्वस्थ रहिए घर में रहिए ,सुरक्षित रहिए ???? स्वस्थ सजग व्यवहार बदल सकता है सब हालात हमारे संयम से जीवन संभव है धीर धरो होंगे उजियारे प्रबल करो विश्वास विजय का, मन को भय न छू पाएगा उच्च मनोबल करो स्वयं का दूजों का भी बनो सहारे। – **पूजा बंसल**

न जाने किस घड़ी हस्ती

न जाने किस घड़ी हस्ती तेरी गुमनाम हो जाए, अभी है वक़्त कोई खूबसूरत काम हो जाए। अज़ब दिन रात का आलम अज़ब हैं मुरकियाँ ग़म की, ख़बर किसको कोई मौज-ए-शरर कब गाम हो जाए। – **रूबी झा 'कमल'**

QUIZ TIME

1) 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की आबादी क्या है?
2) किस विदेशी यात्री ने भारतीयों को 'गर्म स्वाभाव का, परंतु ईमानदार' कहा है?
3) सरोजिनी नायडू ने किसे 'हिंदू-मुस्लिम एकता के दूत' के रूप में उल्लिखित किया है?
4) ब्रिटिश सरकार ने बंगाल विभाजन के अपने निर्णय को कब वापस लिया?
5) एक प्रसिद्व नाटक 'अंधरे नगरी चैपट राजा' के लेखक कौन थे?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) 102.7 करोड़ (2) मेगास्थनीज (3) अब्दुल गफ्फार खान (4) 1911 ई. (5) भारतेंदु हरिश्चंद्र

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1678 -फ्रांसीसी सेना ने वाइप्रेस शहर पर कब्जा कर लिया। 1867 -जापान की राजधानी टोक्यो में विदेशी व्यापार की अनुमति दी गई। 1905 -दक्षिण अफ्रीका में श्वेतों को मताधिकार मिला। 1925 -पॉल वोन हिंडनबर्ग जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये। 1954 -बेल लैब्स ने न्यूयार्क में पहली बार सोलर बैटरी बनाने की घोषणा की। 1957 -सोडियम परमाणु रिएक्टर पहली बार प्रायोगिक तौर पर संचालित किया गया। 1975 -तत्कालीन सोवियत रूस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया। 1981 -जापान के सुरूगा में एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र में मरम्मत कार्य के दौरान 100 से अधिक मजदूर परमाणु विकिरण का शिकार हो गये। 1982 -दिल्ली में टेलीविजन पर पहली बार रंगीन प्रसारण की शुरुआत हुई। 2005 -जापान के अमागासाकी में एक रेल दुर्घटना में 107 लोग मारे गये। 1999-वेस्टइंडीज के आल राउंडर खिलाड़ी कार्ल हूपर द्वारा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की । 2004-जिम्बाव्वे में श्रीलंका के खिलाफ एक दिवसीय मैचों में न्यूनतम 35रनों का रिकार्ड बनाया । 2008-बालीबुड के प्रसिद्ध कलाकार व निर्देशक आमीर खान को सिनेमा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान का विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया । 2010- भारतीय नौसेना ने पुराने हो चुके चेतक हेलिकाप्टरों की जगह नए लाइट यूटिलिटी हेलीकाप्टर खरीदने की प्रक्रिया शुरू की । 2013 -ब्रिटेन ने सोमालिया में अपना दूतावास 22 वर्षों के अंतराल के बाद पुनः खोला।

देवकर, देवरबीजा, बेरा व तिल्दा नेवरा में हुए छड़ चोरी के मामलो का खुलासा

नवप्रदेश संवाददाता

बेमेतरा। 22 अप्रेल को प्रार्थी नरेन्द्र वर्मा साकिन देवरबीजा थाना बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि अपने निर्माणाधीन मकान के सामने खेत में 28 क्विंटल छड सरिया को रखा था जिसे दिनांक 21 अप्रेल को सुबह देखा तो कोई अज्ञात चोर उक्त छड सरिया को चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर थाना बेमेतरा में अपराध क्रमांक 249/21 धारा 379 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। दिनांक 19 अप्रेल को प्रार्थी तुषार वर्मा साकिन बेरा चौकी खण्डसरा थाना बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि भवन निर्माण कार्य हेतु 10 क्विंटल सरिया खरीद कर निर्माणाधीन भवन के सामने रखा था कि दिनांक 19 अप्रेल को सुबह देखा तो कोई अज्ञात चोर उक्त छाड सरिया को चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर चौकी खण्डसरा थाना बेमेतरा में अपराध क्रमांक 243/21 धारा 379 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। दिनांक 16 अक्टुबर 20 को प्रार्थी डोमन लाल साहू साकिन परपोडा चौकी देवकर थाना साजा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 14 अप्रेल को सरपंच द्वारा 13 क्विंटल लोहे का राड खरीदा गया था कि दिनांक 16 अक्टुबर को देखा तो पंचायत भवन के चैनल गेट का ताला तोडकर अंदर प्रवेश कर कोई अज्ञात चोर उक्त छड सरिया को चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर चौकी देवकर थाना साजा में अपराध क्रमांक 361/2020 धारा 457,380 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने थाना क्षेत्र में हो रही छड चोरियों पर अंकुश लगाने एवं चोरी की पतासाजी हेतु आवश्यक निर्देश दिये। जिसके तहत अति. पुलिस अधीक्षक विमल कुमार बैस के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के नेतृत्व में थाना प्रभारी बेमेतरा निरीक्षक राजेश मिश्रा के साथ अपराध विवेचना हेतु विशेष टीम गठित कर माल मुल्जिम पतासाजी में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना आरोपी पात साजी के दौरान दिनांक 22 अप्रेल को मुखबिर की सूचना मिली कि उमेश ढाबा रायपुर बिलासपुर रोड बेमता में देखरेख संचालक करने वाले मुकेश कुमार साहू द्वारा लगातार कुछ महीने से आस पास के क्षेत्रों में चोरिया करा रहा है की सूचना पर एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा एवं थाना तिल्दा नेवरा प्रभारी निरीक्षक शरद चंद्रा, सउनि अरविंद शर्मा एवं अन्य स्टाफ के द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए संदेही मुकेश कुमार पिता रामस्वरूप साहू उम्र 35 साल साकिन सोनास पोस्ट खिलासराई जिला गया (बिहार) हाल हर्षित विहार कालोनी उरकुरा थाना खमतराई जिला रायपुर को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर बताया कि उमेश ढाबा रायपुर बिलासपुर रोड बेमता में देखरेख संचालक का काम करता हूॅ अभी छ.ग. में लॉकडाउन होने से ढाबा का काम मंदा चल रहा है। तब मै आस पास के क्षेत्र में चोरी का योजना बनाया। दिनांक 20 व 21 अप्रेल के दरम्यिानी रात्रि में कुछ लोगो के साथ में ढाबा के ट्रैक्टर से बेमेतरा देवरबीजा की तरफ गया था कि देवरबीजा बस्ती से आगे तालाब के पास रोड किनारे में बन रहे मकान के सामने में सरिया छड रखा हुआ था तब मै ट्रैक्टर को रोककर हम लोग सरिया छड़ को ट्रैक्टर में लोड किये वहॉ रखे सरिया छड़ को लोड कराकर ट्रैक्टर को चलाते हुये रात में ढाबा के पीछे लाकर खाली कर घासफूस से छुपा देना तथा पूर्व में दिनांक 18 व 19 अप्रेल के दरमियानी रात्रि में कवर्धा रोड पर बेमेतरा के आगे उमरिया चौक के पास गांव में पेट्रोल पंप के सामने रोड किनारे बन रहे मकान के सामने रखे सरिया छड को चोरी कर अपने उसी ट्रैक्टर में लोड करारक ढाबा के पीछे छुपाना तथा 15,16 अक्टुबर के दरम्यिानी रात्रि ग्राम पंचायत भवन परपोडा के चैनल गेट का ताला तोडकर चोरी करना भी स्वीकार किये। चोरी किये सरिया छड में से कुछ बंडल सरिया छड़ को रायपुर से सरिया लोड कर आने वाले ट्रक चालकों को एक दो बण्डल करके बिक्री कर देना व उक्त चोरी के सरिया छड बिक्री रकम को अपने एवं परिवार के खाने पीने में खर्च कर देना बताये व शेष चोरी किये गये सरिया छड़ को उमेश ढाबा बेमता के पीछे में छुपाकर रखना बताया।

न्यूज गैलरी

कोरोना से बचाव के मूलमंत्र सोशल डिस्टेंस का नहीं हो रहा पालन

महासमुंद नवप्रदेश। कोविड चेकअप सेंटर जिला अस्पताल में शनिवार को बेशुमार भीड़ होने से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हुआ। अधिकांश लोग मुख्यालय के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए थे। सुरक्षा कर्मियों , डॉक्टरों ने दूरी बनाए रखने की बात तक नहीं कही। जानकारी के अभाव में कोरोना पेसेंट के साथ लाईन में खड़े हुए नजर आए ग्रामीण। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद भीड़ में खड़े होकर ले रहे मेडिसिन, कोरोना गाईडलाईन का पालन नही होना चिंता जनक। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के मकसद से सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर एडवाइज़री जारी की है। सोशल डिस्टेंसिंग का मतलब होता है एक-दूसरे से दूर रहना ताकि संक्रमण के ख़तरे को कम किया जा सके। महासमुंद में कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

क्यों ज़रूरी है सोशल डिस्टेंसिंग?

- जब कोरोना वायरस से संक्रमित कोई व्यक्ति खांसता या छींकता है तो उसके थूक के बेहद बारीक कण हवा में फैलते हैं। इन कणों में कोरोना वायरस के विषाणु होते हैं।
- संक्रमित व्यक्ति के नज़दीक जाने पर ये विषाणुयुक्त कण सांस के रास्ते आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। अगर आप किसी ऐसी जगह को छूते हैं, जहां ये कण गिरे हैं और फिर उसके बाद उसी हाथ से अपनी आंख, नाक या मुंह को छूते हैं तो ये कण आपके शरीर में पहुंचते हैं।
- ऐसे में खांसते और छींकते वक्त टिश्यू का इस्तेमाल करना, बिना हाथ धोए अपने चेहरे को न छूना और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना इस वायरस को फैलने से रोकने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।
- इसी कारण कोरोना से बचने के लिए लोगों को एक जगह पर अधिक लोग इकट्ठा न होने देने, एक दूसरे से दूरी बनाए रख कर बात करने या फिर हाथ न मिलाने के लिए कहा जा रहा है।

कोरोना से 42 वर्षीय शिक्षक, सरपंच पति कुंदन बघेल का निधन

गुंडरदेही।गुंडरदेही ब्लॉक मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत रेहची के सरपंच पति का कोरोना से मौत दुखद समाचार है कि आज कोविड-19 संक्रमित से ग्रसित कुंदन बघेल का तबीयत 22 अप्रैल को शाम सांस लेने में दिक्कत आया तब परिजनों ने दुर्ग शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया , फिर भी उनके स्वास्थ्य में ठीक होने का संकेत नहीं मिला 2 दिन बाद कुंदन बघेल ने आज कोरोना से अंतिम सांस लिया बताया जा रहा है कि कुंदन बघेल एक मिलनसार और समाज के कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहा था उन्होंने गुंडरदेही ब्लॉक के ग्राम गौरकापार में वर्ग तीन प्राथमिक शाला में शिक्षक थे ,अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप जोशी ने ,बघेल के निधन पर सामाजिक क्षति एवं समाज के ईमानदार करवट व्यक्ति को कोरोना से मौत मैं समाज की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि देती हूं इनके निधन में सतनाम समाज सहित ग्रामीण जन काफी दुख व्यक् किए वही परिवार वालों से जानकारी मिला की रात्रि 8:00 बजे कोरोना की अंतिम सांस ली।

प्रदेशस्तर से बूथ स्तर तक जागो भूपेश जागो अभियान, भाजपाइयों ने दिया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

- **कोरोना से अगर जनता की जान जा रही है तो सिर्फ भूपेश सरकार की लापरवाहियों और इनके नापाक इरादों के कारण: अनिल सिंह जिला भाजपा अध्यक्ष**
- **जिला और मंडलो एवं बूथ स्तर पर जागो भूपेश जागो गुंजा ?**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के खिलाफ प्रदेश स्तरीय भाजपाई ने घर घर धरना प्रदर्शन किया गया। जैसा कि विदित है, प्रदेश मे कोरोना संक्रमण के वर्तमान परिस्थितियों में छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार इस महामारी से निपटने मे पूरी तरह विफल हो चुकी है । लगातार बढ़ते संक्रमण के बीच मौत के आंकड़े अब डराने लगे है । एक ओर टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट मे यह सरकार फिसड्डी साबित हो रही है तो वही दूसरी ओर बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के कारण अस्पताल मे बिस्तर और ऑक्सीजन, जांच किट की कमी, जरूरी दवाओं की कमी से जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की विफलता को जनता के बीच ले जाने का कार्य पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोश खरोश के साथ किया।

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा प्रदेश भर के कार्यकर्ता ने अपना विरोध दर्ज फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप,टेलीग्राम के माध्यम से शासन और प्रशासन को अपना जीवन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कांग्रेस की भूपेश बघेल की भारी संख्या में लोगों ने घर बैठे विरोध प्रदर्शन किया ताकि सरकार अपनी गलतियों को सुधार कर सके ।

पार्टी के अलावा आम जनता ने भी बढ़ चढ़ कर अपनी सहभागिता दिखाई: दोपहर 2.00 बजे से 5 बजे तक कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, हाथों में तख्ती लेकर अपने घरों के दरवाजे पर धरना प्रदर्शन में बैठे रहे।

थानखम्हरिया मे लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने पर हुई कार्यवाही

बेमेतरा। कलेक्टर शिव अनंत तायल के निर्देश पर गत दिनों थानखम्हरिया नगर पंचायत क्षेत्र मे लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने पर कार्यवाही की गई। टीम मे तहसीलदार थानखम्हरिया एम. एल. झरिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी आर सी तिवारी, एवं थाना प्रभारी नासिर खान के निर्देशन में नगर के विभिन्न चैक चैराहो एवं शिकायत प्राप्त गलियों में औचक निरीक्षण कर समयसीमा एवं नियम विरुद्ध सब्जी,फल एवं अन्य विक्रेताओ के ऊपर छापा मार कर कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूल किया गया साथ ही कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दिया गया जिसमें संयुक्त रूप से राजस्व विभाग के कर्मचारी, पुलिस टीम एवं नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजनीति चमकाने के लिए ओछी राजनीति ना करें रोहित: भाव सिंह

- **लाल बुझक्कड़ की तरह अप्रासंगिक तर्क ना रखें रोहित: रूपेश साहू**

गरियाबंद। कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भाव सिंह साहू एवं फिंगेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष रूपेश साहू ने सँयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहां की रोहित अपनी राजनीति चमकाने के लिए शुद्ध रूप से ओछी राजनीति करते हुए अप्रासंगिक विज्ञप्ति जारी कर लोगों को भ्रमित करने का केवल तुच्छ प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि राज्य की भूपेश सरकार के साथ क्षेत्रीय विधायक मान.अमितेश शुक्ल करोना महामारी के त्रासदी के बीच भी ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मनरेगा के तहत रोजगार प्रदान कर लोगों के अधिकारों और अपने कर्तव्य दोनों को ही सुनिश्चित करने हेतु प्रयासरत हैं। मनरेगा के द्वारा लोगों को रोजगार प्राप्त करना यह जनता के स्वेच्छा पर निर्भर हैं, वे चाहे तो इसके माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा नहीं सब उनकी इच्छा पर निर्भर है, वर्तमान परिस्थिति में प्रवासी मजदूरों के अपने गृह ग्राम लौटने से बेरोजगारी की व्यापक समस्या उत्पन्न हो चुकी है जिसे लेकर राज्य सरकार उनकी भी चिंता करते हुए मनरेगा के तहत रोजगार उपलब्ध करा कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही हैं जो लोग मनरेगा से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं सरकार उन सभी के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान भी रख रही है और सभी चीजें कोविड-19 के गाइडलाइन के अनुरूप ही किया जा रहा है। वह लोग जो अभी मनरेगा के द्वारा कार्य नहीं करना चाहते हैं उनका भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। सरकार पीडीएस से सभी लोगों का खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ खूबचंद बघेल योजना के द्वारा सरकार पंजीकृत निजी अस्पतालों में 20त्न बिस्तर आरक्षित कर चुकी है। सरकार जन कल्याण के लिए है सभी कार्य कर रही हैं। राज्य सरकार द्वारा कोविड-19 से निपटने के लिए सभी जिलों में बेड की संख्या एंबुलेंस/ शव वाहन बढ़ाने के निर्देश दे चुकी है, जिसके अनुपालन में गरियाबंद जिले के लिए 300 अतिरिक्त बेड की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के साथ 03 वाहन उपलब्ध कराया जा चुका है।

देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान, बढ़ने लगे है राशन के दाम

प्याज बचाना, आलू बचाना बढ़ गए फल के दाम की कितना बदल गया इंसान

नवप्रदेश संवाददाता

स्वास्थ्य से रसोई तक का बजट बिगडा

फल और सब्जी के जरिए डॉक्टर मरीजों को शारीरिक क्षमता बढाने की सलाह दे रहे है। लेकिन यहां विक्रेताओं ने अंधेरगर्दी मचा रखी है। जबकि प्रशासन द्वारा ऐसे मुनाफाखोरो पर नजर नही रखी जा रही है। लॉकडाउन के बीच बढती मंहगाई को लेकर प्रशासन द्वारा मानिटरिंग भी नही की जा रही है। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान प्रशासन द्वारा सब्जियों के दाम निर्धारित कर दिए थे, लेकिन इस बार प्रशासन द्वारा कोई पहल नही किए जाने का फायदा फुटकर विक्रेता जमकर उठा रहे है। हालात यह है कि सब्जी, फल और किराना व्यापारी तक महंगे सामान बेचने से गुरेज नही कर रहे है।

कवर्धा। कोरोना काल के चलते सब्जियों से लेकर फल के दाम भी आसमान छूने लगे है। अब ऐसी स्थिति में कोई सब्जी खाए या स्वास्थ्य बनाने फल का सहारा ले, क्योकि दोनो ही कर पाना ऐसे परिवार के लिए संभव नही हो पा रहा है। जो आर्थिक रूप से मजबूत नही है। अब कही कोई बीमार व्यक्ति फल खाने की चाह रखता है। तो उसके घर में रसोई के अन्य बजट को पूरा लॉकडाउन करना पडेगा। तब कही जाकर उसे यह फल नसीब हो सकेगा। कहने को तो शहर में सैकडो किराना दुकान है, लेकिन जैसे-जैसे लॉकडाउन के दिन बढते जा रहे है। राशन नही होने का रोना रोकर कई दुकान अब सामाग्रीयों के दाम बढाने से पीछे नही हट रहे है। इसका खामियाजा अब आम लोगो को भुगतना पड रहा है। कहने को तो ठेले से घर तक सामान पहुंचाने का फरमान तो दे दिया गया, लेकिन आज भी सुबह 7:30 बजे से दुकानो के आसपास लोगो का जमवाडा दिखने लगता है। ज्ञात हो कि प्रशासन द्वारा दुकान संचालको को होम डिलवरी या ठेले के जरिये ही सामान बेचने के फैसले ने ग्राहकों को परेशान कर दिया है। थोक दुकानें खुलने की अनुमति नही होने के चलते किराना दुकान में स्टाक खत्म हो रहा है। जिसके चलते किराना दुकान संचालक मनमाने दाम पर सामान बेच रहे है। हालात यह है कि बाजार में जहां दाल के दाम बढने लग है वही अन्य सामाग्रीयों के दाम भी तेजी की ओर है। वहीं किराना दुकानों में शक्कर, आटा, तेल जैसे खाद्य सामानो की किल्लत रहते हुए मे भी बनने लगी है। तो कही बनी हुई है। लॉकडाउन का ही नतीजा है कि आलू 20 से सीधे 30 रुपए किलो में बिक रहा है जबकि 10 से 15 रुपए किलो में बिकने वाला प्याज 20 रुपए में मिल रहा है। इसी तरह 120 में मिलने वाला सेब 300 रूपए में बिक रहा है। यही नही 80 रुपए किलो का अंगूर 120 में तो 100 किलो वाला पका आम 150 रुपए में लोगों को मिल पा रहा है। इसी तरह केला 50 रुपए दर्जन में मिल रहा है। कई किराना दुकान वाले चोरी छिपे सामान बेच तो रहे हैं लेकिन लोगों से ज्यादा कीमत वसूल कर रहे हैं। प्रशासन ने घर-घर जाकर फेरी लगाकर सब्जी बेचने की छूट दी थी लेकिन सब्जी के साथ ही विक्रेता आलू और प्याज भी बेच रहे हैं। आलू और प्याज के थोक व्यापारियों से ले रहे हैं और ऐसी जानकारी मिली है कि वे सुबह-सुबह अपनी दुकान खोल कर इसे चिल्हर विक्रेताओं को बेच रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सरकार ने कोविड...

टेस्टिंग किओस्क सकरिंग उपरान्त उनमें कोविड-19 का कोई लक्षण नहीं पाए गए, उन्हें स्वास्थ्य विभाग के एसओपी अनुसार संस्थागत क्वारेंटीन किया जाए। इस हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा यात्रियों को क्वारेंटीन (पेड/फ्री) किए जाने हेतु पूर्व में जारी दिशा-निर्देश के अनुसार व्यवस्था की जाए।

ये लहर नहीं...

हाई कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और दिल्ली की सरकारें संभावित सूनामी के लिए क्या तैयारियां की हैं या कर रही हैं? दिल्ली हाई कोर्ट ने अग्रसेन अस्पताल की याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि देश में अब भी कोरोना की सूनामी चल रही है, हम भले ही इसे दूसरी लहर कह रहे हैं। हाई कोर्ट ने कहा, यह लहर नहीं, सूनामी है। आईआईटी की रिपोर्ट का हवाला देकर हाई कोर्ट ने पूछा, मिड मई में मामलों की सूनामी आने वाली है तो दिल्ली सरकार ने किस तरह के कदम उठाए हैं उसे कंट्रोल करने के लिए? कोर्ट ने आप सरकार से कहा, आपको मौतों पर नियंत्रण रखना होगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने आज ऑक्सिजन की आपूर्ति रोके जाने के मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो भी ऐसा करेगा, उसे टांग दिया जाएगा।

ऑक्सीजन से ...

हॉस्पिटल्स में मरीजों को ऑक्सिजन मुहैया नहीं हो पा रही है। जो मरीज घर पर आइसोलेट हैं, उनके लिए भी ऑक्सिजन सिलेंडरों की कमी है। यहां तक कि अब ऑक्सिजन कसन्ट्रेटर की भी कमी पैदा हो रही है। ऑक्सिजन की कमी की वजह से कई मरीजों को जान गंवानी पड़ी है और कइयों के जीवन पर संकट छाया हुआ है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सिजन की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने कोशिशें तेज कर दी हैं। राज्यों को ऑक्सिजन की सप्लाई के लिए विशेष ऑक्सिजन एक्सप्रेस ट्रेन चलाई गई है। इस बीच इंडियन एयरफोर्स के प्लेन्स को क्रायोजेनिक ऑक्सिजन टैंक लाने के लिए सिंगापुर भेजा गया है।

वैक्सीनेशन पर केन्द्र...

उम्र के लोगों का टीकाकरण कराने का फैसला लिया है। फिलहाल 45 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों का टीकाकरण किया जा रहा है। लेकिन कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सरकार ने आनन-फानन में 18 साल से अधिक वालों के लिए भी टीकारण शुरू करने का फैसला लिया है। सरकार ने टीका तैयार करने वाली कंपनियों से कहा कि वो अपने 50 प्रतिशत खुराक की आपूर्ति खुले बाजार में करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA BEMETARA (C.G.)
SHORT TENDER NOTICE
Sealed Tender are Invited for Providing Outsourcing of man services, Casual labour/contract labour services and Essential Items Required for residential setup to JNV Bemetara CG on or before 6 May 2021 upto 5 p.m. Tender forms along with under terms and condition can be obtained from the website.
www.navodaya.gov.in/nvs/nvs-school/bemetara/en/home/
Principal
S.-28622/2 JNV Bemetara (C.G.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक- 09
मोवा थाना के पास स्थित सामुदायिक भवन
क्रमांक/202/लो.क.वि./न.पा.नि./जोन क्र. 09/2021 रायपुर, दिनांक 22/04/2021
// द्वितीय निविदा संशोधन सूचना //
इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना क्रमांक 306/न.पा.नि./जोन क्र. 09/ 2021 रायपुर, दिनांक 26.03.2021 के समस्त कार्यों में निविदा प्राप्ति की तिथि 26.04.2021 निर्धारित है। कलेक्टर, जिला- रायपुर के द्वारा कोविड-19 की रोकथाम हेतु दिनांक 19.04.2021 से 26.04.2021 तक पुनः लॉकडाउन किया गया है।
अतः निविदा प्राप्ति दिनांक 04.05.2021 को संध्या 5.00 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं प्राप्त निविदा अगले कार्य दिवस को खोली जावेगी। निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेगी।
जोन आयुक्त
जोन क्रमांक - 9
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, महासमुन्द (छ.ग.)
Phone No. 07723-223731, E-mail : eephe-mah-cg@nic.in
निविदा संशोधन सूचना क्र. 1
इस कार्यालय का निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 163 (ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75058), (ई- प्रोक्योरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75060), 165 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75061), 166 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75062), 167 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75064) जी. 88341 दिनांक 30.03.2021, 168 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75655), 169 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75656), 170 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75657), 171 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75658), 172 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75659), 173 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75660), 174 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75661), 175 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75662), 176 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75663), 177 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75664), 178 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75665), 179 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75666), 180 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75667), 181 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75668), 182 (ई-प्रोक्योंरमेंट सिस्टम निविदा क्रमांक 75669), जी. 60081 दिनांक 05.04.2021 में कोविड- 19 के रोकथाम हेतु लागू लॉक डाउन के कारण निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

Bid Due Date	20 May, 2021 17:30:00 PM IST
Physical Doc Submission End Date	26 May, 2021 17:30:00 AM IST
Bid Open Date for Envelope “A” & “B” (Scheduled)	27 May, 2021 10:30:00 AM IST

निविदा की शेष नियम व शर्तें यथावत रहेगी।
जी-60320/5
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
महासमुन्द (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

■ न्यूज गैलरी

1 मई से 18 वर्ष के युवाओं को लगेगा कोविड टीका : रूपेश साहू

मैनपुर। भारतीय जनता पार्टी सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ के गरियाबंद जिला संयोजक रूपेश साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 18 वर्ष के युवाओं को कोविड टीका लगवाने की अनुमति देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्णय का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया है। जिला संयोजक आरटीआई रूपेश साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कि इस विकट और विषम परिस्थिति में 18 वर्ष से अधिक के लोगों को टीकाकरण का हिस्सा बनाने से बहुत हद तक कोरोना के बढ़ते ग्राफनीचे गिरेगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का यह निर्णय कोरोना से जंग जीतने में संजीवनी के समान कारगर होगा देश के प्रधानमंत्री का यह फैसला युवाओं के हित मे है क्योंकि जिन लोगों की वैक्सीन लग गई है उन्हें संक्रमण होने का खतरा कम है। उन्होने बताया कि लगातार देशभर में वैक्सिनेशन का व्यापक अभियान केंद्र सरकार द्वारा चलाया जा रहा, जिसमें सर्वप्रथम योजनाबद्ध तरीके से बुजुर्गों को सुरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ना फिर 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग को शामिल कर उन्हें सुरक्षित कराने का प्रयास और अब 1 मई से युवाओं जो 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के है शामिल किया जाना केंद्र सरकार की दूरदृष्टि और बेहतर प्रबंधन क्षमता का उदाहरण है। देश एवं प्रदेश के सभी वयस्क युवाओं से निवेदन है कि वह 1 मई से स्वयं और आसपास के लोगों को कोरोना की टीका लगाने में जागरूक एवं उनका सहयोग करें लोगों से अपील करते हुए रूपेश साहू ने कहा कि हमारी सजगता हमारी सुरक्षा कवच एवं स्वास्थ्य विभाग के नियमों का पालन करके ही हम करोना वायरस रूपी भयंकर महामारी को खत्म कर सकते हैं हम सबको समझदारी और साहस के साथ इस वैश्विक महामारी की जंग को जीतना होगा।

स्काउट मास्टर ने किया सैनिटाइजर

खरोरा। 21 अप्रैल 2021 को माननीय श्री सुरेश शुक्ला जी जिला मुख्य आयुक्त जिला संघ रायपुर एवं श्री अशोक नारायण बंजारा जिला आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में श्री मनोज कुमार वर्मा जिला संगठन स्काउट एवं स्वामी आत्मानंद ओपन स्काउट दल के स्काउट मास्टर ने कोविड महामारी के बीच अपने वार्ड के इलाके को कोरोना पाजेटिव मिलने के बाद सेनिट्राइजर करने का कार्य कर लोगो को जागरूक करने का कार्य किया और रीयल स्काउटिंग का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके इस पावन कार्य के लिए माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नई दिल्ली एवं वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन माननीय श्री विनोद सेवनलाल चंद्राकर राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स गाइड्स छत्तीसगढ़ एवं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन श्री कैलाश सोनी राज्य सचिव भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ श्री जी स्वामी जिला अध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर श्री मृत्युंजय शुक्ला जिला सचिव जिला संघ रायपुर एवं अन्य पदाधिकारियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

युवाओं के प्रति संवेदनशील है भूपेश सरकार : लोकेश कमल

खरोरा। युवा साथी लोकेश कमल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को कोरोना वैक्सीन मुफ्त में लगाने का निर्णय स्वागत योग्य हैं यह फैसला हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की कैबिनेट का है जो उनकी दूरदृष्टि का प्रमाण है । पूरे प्रदेश मे 18 वर्ष से अधिक लोगों की काफी बड़ी संख्या मौजूद है।इस फैसले से न सिर्फ युवाओं को बल्कि पूरे प्रदेश के एक तिहाई हिस्से को सुरक्षा मिलेगी।हम इस फैसले का पुनः अभिनंदन करते हैं और साथ ही युवाओं से सादर अपील करते हैं कि राज्य सरकार की मुहिम में अपना भरपूर योगदान दें।निः शुल्क टीका अवश्य लगायें।सभी नियमों का पालन करें।कोरोना से डरना नहीं है हमें हमारी सरकार के साथ मिलकर लड़ना है तथा पलारी क्षेत्र के युवा साथी प्रमोद साहू,मुकेश लहरी,दीपक टंडन, संदीप ने संकल्प लिया कि इस वैश्विक महामारी से प्रदेश को नहीं पूरे देश और दुनिया को निजात दिलाना है,अपनी सुरक्षा दूसरों की रक्षा का।

आज कल का दौर बहुत ही दुखत और खराब चल रहा

खरोरा। दिन शनिवार सुबह की बात है मै रविशंकर निषाद ग्राम बंगोली और मेरे मित्र योगेश निषाद ग्राम भरूवाडीह (कला)हम दोनों अपने कार्य पर जा रहे थे उसी समय रास्ते में एक बुजुर्ग आदमी मिला जो रोड पर चलती फिरती एक -दूसरे से सहायता मांग रहा था पर मनावता को शर्मसार करते हुए और दूसरे तरफ देखा जाए तो कोरोना के कहर (डर) से लोग एक -दुसरे का मदद करने को तैयार नही हो रहा है ।और उसी समय हम दोनों भी उसी रास्ते से अपने -अपने काम पर जा रहे थे। तो उस बुजुर्ग आदमी जिसका नाम फिरंता है जो कि सतनामी समाज का एक बुजुर्ग सदस्य है ,और ग्राम पचेड़ा का निवासी है। जो कि बहुत ही दुखी और असहाय नजर आ रहा था उनकी पीड़ा को देखकर हमें सहन नहीं हो पाया और जैसे बना हमने हमारे तरफसे उस बुजुर्ग का मनोबल को बड़ाते हुए उसके खाने के लिए व्यवस्था किया गया।

कोरोना संकट की घड़ी में सकारात्मक माहौल और सामूहिक प्रयास की जरूरत : तिवारी

बेमेतरा। किसान नेता योगेश तिवारी के नेतृत्व में हर गांव हर घर सेनेटाइज अभियान जारी है। इस अभियान के तहत बेमेतरा विधानसभा के सभी गांव व शहर को सेनेटाइज किया जा रहा है। इस दौरान किसान नेता ने कहा कि कोरोना संकट की घड़ी में सकारात्मक माहौल और सामूहिक प्रयास की जरूरत है, तभी कोरोना महामारी को हरा पाएंगे। शुक्रवार को पीयूष शर्मा के नेतृत्व में सिंघौरी सब्जी मंडी, राउत पारा, शीतला मंदिर पीछे बस्ती, दीनदयाल कॉलोनी, वार्ड नंबर 14 संतोषी मंदिर पारा, नयापारा, गंजपारा गौरव पथ मार्ग, बाजार पारा आदि स्थानों को सेनेटाइज किया गया। इस दौरान विक्रम पटेल, प्रीत साहू, अमन शर्मा, रनू वर्मा, मृत्युंजय दुबे, रवि साहू, चेतन वर्मा, विक्की साहू, राजा यादव उपस्थित थे।जीवन गायकवाड़, धारेन्द्र वर्मा, अरुण साहू, लखन चक्रधारी, ताकेश्वर निषाद, राजेन्द्र साहू, तेजेन्द्र साहू, तेजराम निर्मलकर, दिनेश सारंग ने ग्राम गोडगिरी, तिलई, करेली, मोहरेगा, चंडी, बोरिया, घाटीयाकला, पेण्ड्रीतरई, मुड़पार, कोकड़ी, हरदी, माटरा, गोता, कंदाई, खजरी, मोहलाई, टटिया, बिरोदा, दमाई, मोहलई, चिखला, बोतका, केसडबरी आदि गांवो को सेनेटाइज किया गया। इस अभियान को सफल बनाने क्षेत्र के युवा जुड़ रहे हैं, जो कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए हर गांव हर घर सेनेटाइज अभियान में सहभागी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री को युवाओं व आमजनता की है पूरी चिंता : स्मृति

■ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्मृति ठाकुर ने 18 वर्ष के युवाओं को राज्य सरकार द्वारा मुफ्त में वैक्सीन लगाने व गरीबो को दो माह का राशन निशुल्क देने के निर्णय का किया स्वागत

नवप्रदेश संवाददाता

मैनपुर। वेक्सिनेशन के लिए 18 वर्ष की उम्र सीमा तय कर 1 करोड़ 20 लाख डोज की तैयारी सरकार की दूरदर्शिता तो गरीबों को दो माह का निशुल्क राशन एक मुश्त उपलब्ध कराने का निर्णय भूपेश सरकार की सवेदनशीलता को दर्शाता है छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री इस आपदा काल में लगातार सभी वर्ग खासकर गरीब किसानो की चिंता है कोई गरीब भूखा न रहे इसलिये दो माह का निशुल्क राशन हमारी सरकार उपलब्ध करायेंगी। उक्त बातें गरियाबंद जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति नीरज ठाकुर ने जारी विज्ञप्ति में कही है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ठाकुर ने कहा कि कोरोना के इस विभीषिका में भूपेश सरकार महामारी नियंत्रण करने हर सम्भव प्रयास कर रही है माननीय मूख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में अब तक 92 प्रतिशत फ्रंट वारियर 88 प्रतिशत हेल्थ केरियर समेत 45 प्लस व सीनियर सिटीजन को मिलाकर हमारे प्रदेश में अब तक 50 लाख 62 हजार लोगों को टिकाकरण किया जा चुका है मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व का ही नतीजा है कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगो को वेक्सिनेशन करने में हमारा प्रदेश चैथा स्थान पर है तो सीनियर सिटीजन के टिकाकरण के मामले में पांचवे पायदान पर है। उन्होने कहा कि कोरोना के चेन को तोड़ने अब 1 मई से 18 वर्ष से अधिक उम्र के 1 करोड 20 लोग को निशुल्क टिका लगाया जाना है।

दवा और राशन के लिए भी आभार जताया

कोरोना से जूझ रहे प्रदेश में आम लोगों की मुसीबत को कम करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक साथ कई बड़ी घोषणाएं की है. इसमें दो महीने का राशन मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने के साथ कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन सीधे अस्पतालों को ही प्रदाय करने की घोषणा की है. इसके साथ ही मरने वालों की संख्या में इजाफे को देखते हुए श्मशान घाट में लाश जलाने में आ रही दिक्कत को देखते हुए इलेक्ट्रिक शवदाह गृह की स्थापना की तत्काल मंजूरी देने को कहा है। सरकार के इन फैसलों का जिला पंचायत अध्यक्ष स्मृति नीरज ठाकुर ने स्वागत करते हुए, इसे कोरोना काल मे संजीवनी बताया। श्रीमती ठाकुर ने भूपेश सरकार के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए इसे जन सरोकार की सरकार बताया है साथ ही विपक्षियों को नसीहत देते हुए कहा कि इस संक्रमण काल मे कोरोना पर राजनीति करना छोड़ केंद्र सरकार से वेक्सिनेशन डोज की कीमतों में भेदभाव रोकने का प्रयास करने कहा है ।

गरियाबंद को दीनदयाल उपाध्याय पंचायतीराज सशक्तिकरण पुरस्कार

9 क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चुना गया जनपद पंचायत गरियाबंद

■ 25 लाख रुपए का पुरस्कार मिला

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। त्रिस्तरीय पंचायतें ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं योजनाओं के उचित कियान्वयन के माध्यम से ग्रामीण भारत की छवि परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। देश की ऐसी ही कुछ पंचायतें जिन्होने कुछ विशेष क्षेत्रो में अप्रतिम प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने हेतु पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष 24 अप्रेल के दिन राज्य सरकार द्वारा नामांकित श्रेष्ठ पंचायतों को पुरुस्कार प्रदान किया जाता है। राष्ट्रीय पंचायत पुरुस्कार 04 क्षेत्र दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरुस्कार, नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरूस्कार, ग्राम पंचायत विकास योजना पुरुस्कार एवं बाल अनूकुल ग्राम पंचायत पुरूस्कार में प्रदान किया जाता हैं। पंचायत राज मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरूस्कार प्रदान करने हेतु 24 अप्रैल 2021 को पंचायत राज दिवस अवसर पर विडियो कान्फेसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री भारत सरकार, श्री नरेन्द्र तोमर, केन्द्रीय पंचायत मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, , पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री टी.एस.सिंहदेव एवं वरिष्ठ अधिकारी राज्य कार्यालय से शामिल हुए।

जिले से कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर , जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी चन्द्रकांत वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्रीमती लालिमा ठाकुर, अध्यक्ष, जनपद पंचायत गरियाबंद, श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत गरियाबंद, सुश्री पदमिनी हरदेल, उपसंचालक, पंचायत, भी वीडियो काफसिंग के माध्यम से जुड़े रहें।

आज आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा स्वामित्व योजना के तहत 5 हजार परिवारों को स्वामित्व पत्र व विजयी पंचायतों के खाते में बटन दबाकर राशि का हस्तांतरण करते हुए उदबोधन के अंत में सभी विजयी पंचायतों को बधाई ज्ञापित किये। प्रधानमंत्री जी द्वारा जिला गरियाबंद से जनपद पंचायत गरियाबंद को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरूस्कार से पुरस्कृत किया गया। उक्त पुरुस्कार जनपद को 9 क्षेत्रों पेयजल, स्वच्छता, नवीनीकरणीय उर्जा, महिला एवं बाल विकास, अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गो के विकास, रोजगार, आपदा प्रबंधन, शिक्षा एवं शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं मनरेगा, बिहान, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, ई पंचायत, समग्र विकास का उचित कियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रदर्शन हेतु दिया जाता है। प्रधानमंत्री जी द्वारा जनपद पंचायत के खाते में बटन दबाकर सीधे 25 लाख रु. हस्तांतरित किया गया एवं मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रशस्ति पत्र पुरुस्कार स्वरुप प्रदान किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम में राज्य के सभी पंचायतों के जनप्रतिनिधियों से राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस की शुभकामनाए ज्ञापित करते हुए समस्त विजेता पंचायत को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई दिया गया एवं कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सावधानियां करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री टी.एस.सिंहदेव सभी विजेता पंचायतों को शुभकामनाएं ज्ञापित किया एवं आगामी भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदान करते हुए आभार व्यक्त किया।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले असामाजिक तत्वों को सख्त हिदायत

कवर्धा। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा शहर में लॉक डाउन का कड़ाई से पालन करने शहर के महत्वपूर्ण चौक चौराहे तथा शहर के अंदर प्रवेश करने वाले मुख्य मार्गो पर बैरिकेड लगाकर आने जाने वालों पर कड़ी निगाह रखी जा रही है। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री ऋचा मिश्रा तथा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री पी.आर. कुजूर, उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्री बी.आर. मंडावी के मार्गदर्शन में लगातार पेट्रोलिंग कर लॉक डाउन का पालन करने आम जनों से अपील की जा रही है, साथ ही अनावश्यक घर से ना निकलने तथा अति आवश्यक होने पर संबंधित डॉक्यूमेंट साथ रखने हिदायत दी गई है, परंतु शहर के कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा पुत्री शाला में क्रिकेट मैच खेल कर लॉकडाउन का उल्लंघन करते पाए गए जो दोबारा ऐसी गलती ना करने पुलिस टीम से तथा कबीरधाम जिले के आम जनों से माफी मांगे, सभी युवा वर्ग से थे, उनके भविष्य की चिंता करते हुए पुलिस टीम के द्वारा सख्त हिदायत दी गई, एवं अपनी गलती मानने पर तथा आम जनों को अपनी गलती का एहसास दिलाने पर दोबारा इस तरीके की गलती ना करने हिदायत देकर छोड़ा गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री मुकेश सोम के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

लॉकडाउन बिना कारण घर से निकलने वालों को मिली सजा

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा जिले के समस्त थाना/ चौकी प्रभारियों को लॉकडाउन का पूर्णता पालन करने आम जनों से अपील कर जागरूक करने तथा जरूरतमंदों का यथासंभव मदद करने कहा गया था। साथ ही लॉकडाउन में बिना कारण घूमते पाए जाने पर उचित कार्यवाही भी करने निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में ड्यूटी पर तैनात पुलिस के अधिकारी जवानों के द्वारा लॉकडाउन में बेवजह घूमने वाले लोगों को घर पर ही रहने सख्त हिदायत दी गई तथा कोरोना महामारी के चैन को तोड़ जिले को सुरक्षित रखने अपील की गई, परंतु थाना पांडातराई में कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा लगातार नियमों का उल्लंघन करते हुए सड़कों पर घूमते नजर आए। जिसे थाना पांडातराई पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर कोई उचित कारण ना बताते हुए सड़कों पर घूम रहे थे, जिन्हें रोड में ही रुकवा कर कान पकड़ कर उठक बैठक कराया गया और घर से ना निकलने हिदायत दी गई। तथा पेट्रोलिंग के दरमियान थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम गंडई खुर्द में बिना कारण चौपाल लगाकर बिना, मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग के लोग बैठे हुए थे, जिन्हें जमीन में बैठा कर 15 मिनट तक प्राणायाम व योग के विभिन्न आसन करा घर से बाहर ना निकलने सख्त हिदायत दी गई, साथ ही दोबारा इस तरह का कृत्य पाए जाने पर उचित वैधानिक कार्यवाही करने कहा गया।

दमापुर पुलिस ने प्रसव के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उचित साधन उपलब्ध ना होने पर जच्चा और बच्चा को सकुशल पहुंचाया घर

कवर्धा। चौकी दमापुर क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के बाद महिला एवं बच्चे को प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र दामापुर से डिसचार्ज बाद वापस अपने घर ग्राम डोंगरिया जाने के लिए साधन न मिलने से बच्चा लिए कड़ी धूप में महिला अस्पताल के बाहर खड़ी थी, जिसे पुलिस टीम द्वारा पेट्रोलिंग के दरमियान पूछने पर अपना नाम श्रीमती सोनम यादव पति श्री पाशर्वनाथ यादव ग्राम डोंगरिया खुर्द चौकी दामापुर की रहने वाली बताई, तथा वापस घर जाने के लिए साधन ना होना बताया गया जिस पर पेट्रोलिंग में तैनात पुलिस टीम के द्वारा चौकी दमापुर प्रभारी श्री पी. एस. ठाकुर को अवगत कराया गया जिस पर उनके द्वारा महिला को सुरक्षित घर तक छोड़ने निर्देशित किया गया जिन के निर्देशन पर पुलिस टीम द्वारा थाने के वाहन में दामापुर से ज़च्चा बच्चा को सकुशल उनके घर ग्राम डोगरिया पहुँचाया गया उनके परिवार एवं गांव के लोग पुलिस के प्रति आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिये।

लगातार वृद्धि को देखते हुए अब बेमेतरा जिलें में 5 मई तक लॉकडाउन

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शिव अनंत तायल ने जिलें में कोरोना संक्रमण को देखते हुए आज शनिवार को एक आदेश जारी कर 5 मई 2021 तक सम्पूर्ण बेमेतरा जिलें में लॉकडाउन करने का आदेश जारी किया है। पहले यह लॉकडाउन 26 अप्रैल तक लागू किया गया था। जिलें में कोविड-19 पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के अनुक्रम में इस कार्यालय द्वारा 17 अप्रैल 2021 द्वारा बेमेतरा जिला अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को 19 अप्रैल 2021 से 26 अप्रैल 2021 प्रातः 6 बजे तक कंटेनमेंट जोन घोषित करते हुये जिला बेमेतरा में सार्वजनिक आवागमन एवं अन्य गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध आरोपित किये गये थे। बेमेतरा जिला अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को 26 अप्रैल 2021 प्रातः 6 बजे से 5 मई 2021 प्रातः 6 तक पूर्ववत कंटेनमेंट जोन (लॉकडाउन) घोषित किया जाता हैं।

बटालियन के कमांडेंट लाल उमेद सिंह बनवा रहे शिव मंदिर और पूजा के फूल के लिए गार्डन

■ कवर्धा में एसपी कार्यकाल के दौरान फोर्स अकादमी की भी किए हैं स्थापना हजारों युवा ले रहे ट्रेनिंग

सुप्रीत शर्मा

बालोद (नवप्रदेश)। धनोरा बटालियन के कमांडर आईपीएस लाल उमेंद्र सिंह इन दिनों यहां के जवानों की ड्यूटी की बारीकी के अलावा जवानों व उनके परिवारों के लिए भक्ति आराधना के लिए शिव मंदिर भी बनवा रहे हैं ताकि यह पहल हमेशा यादगार रहे। मंदिर का काम लगभग पूर्ण हो चुका है वहीं इस मंदिर में पूजा पाठ से चढ़ाया जाने वाले फूल पत्तों के इंतजाम के लिए एक आकर्षक गार्डन का भी काम किया जा रहा है जिससे इस बटालियन परिसर की रौनकता ही बढ़ जाएगी जिले के 14 वी बटालियन छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में कमांडेंट के रूप में लाल उमेंद्र सिंह पहले कवर्धा के एसपी थे। लगभग 3 साल पहले उन्हें एसपी से आईपीएस के रूप में प्रमोशन मिला। उनकी बहादुरी व काबिलियत को देखते हुए उन्हें यह प्रमोशन मिला था और लगातार वे अपने विशेष कार्यों के चलते जहां भी जिस जिले में रहे अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं जहां भी जाते हैं जनसेवा से अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं बालोद से पहले वे कबीरधाम कवर्धा जिले में एसपी रहे इस दौरान उन्होंने कबीरधाम में फोर्स अकैडमी मिशन 500 की स्थापना की इस एकेडमी के माध्यम से उन्होंने सेना और पुलिस में भर्ती होकर देश सेवा का जज्बा रखने वाले युवाओं को प्रशिक्षण दिया पुलिस के इस मिशन के माध्यम से 500 में अब तक 400 से अधिक युवक सीआरपीएफ आर्मी एयरफोर्स में भर्ती हो चुके हैं इस मिशन के तहत सुबह शाम के समय युवकों को शारीरिक प्रशिक्षण दिया जाता है वही तो अलग-अलग पालियों में सामान्य ज्ञान की कोचिंग भी दी जाती है इसके लिए शहर के आउटडोर स्टेडियम में शारीरिक रूप से तैयारी कराई जाती है वर्तमान में लाल उमेंद्र कबीरधाम के एसपी नहीं है इसके बाद भी उनके द्वारा स्थापित किया गया फोर्स अकैडमी मिशन 500 भी संचालित किया जा रहा है।

3 साल पहले उस वजह से बने आईपीएस

3 साल पहले कवर्धा में एसपी कार्यकाल के दौरान डॉ.लाल उमेंद सिंह को छत्तीसगढ़ पुलिस सर्विस(सीपीएस) से इंडियन पुलिस सर्विस(आईपीएस) के लिए प्रमोशन दिया था। तत्कालीन एसपी डॉ.लाल उमेंद सिंह के कंधे में सीपीएस बैच को हटाकर आईपीएस बैच लगाया गया। इस प्रक्रिया को एसपी की पत्नी भावना सिंह, बेटे कुनाल सिंह, बेटी जित्या सिंह ने पूरी की थी।

आयोजन डीएव्ही देहारगुड़ा स्कूल के छोटे छोटे बच्चो ने बनाया सुन्दर पेंटिंग

डीएव्ही सीएम पब्लिक स्कूल में अनोखा ऑनलाइन पेटिंग प्रतियोगिता

नवप्रदेश संवाददाता

मैनपुर। डी.ए.व्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस पर अनोखा पेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डी ए व्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देहरगुड़ा, मुंगझर व कोतरी के स्कूली बच्चे ऑनलाईन माध्यम से पेटिंग पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। शिक्षा सत्र 2021-22 का यह दूसरा एक्टविटी के रूप में आज विश्व पृथ्वी दिवस को ऑनलाइन पेंटिंग पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र छात्राओं ने लॉकडाउन के विषम परिस्थिति में ऑनलाइन ही अपने घरों से प्रतियोगिता में भाग लिए हैं, इस ऑनलाइन प्रतियोगिता विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर स्कूल के प्राचार्या श्रीमती सुमिता सिंग ने बताये की अब हमें ही तय करना होगा कि हम किस युग में जीना चाहते हैं एक ऐसे युग में जहां दूषित हवा से ढेर सारी खतरनाक बीमारियों होगी या फिर ऐसे युग में जहां खुलकर शुद्ध हवा का आनंद लेकर एक हल्दी लाइफ जी सकें तमाम तरह की सुख-सुविधाएं और संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों के कारण आज पूरी दुनिया ग्लोबल वॉर्मिंग की भयावह समस्या से त्रस्त है इसलिए पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने और पृथ्वी को बचाने के संकल्प के साथ हर साल 22 अप्रैल को दुनियाभर में पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पेंटिंग प्रतियोगिता में लगभग 300 से अधिक छात्र -छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिए हैं अपने अपने पेंटिंग में अलग अलग संदेश दिए है कि हम पृथ्वी को कैसे बचा सकते है । इन सभी छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। आज के इस प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिये तीनो स्कूल के एक्टिविटी व मीडिया इंचार्ज पी.एल. जायसवाल, नीरज कुमार साहू देहरगुड़ा व रुपेंद्र कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लॉकडाउन में भी हो रहा अवैध खनन परिवहन करते तीन वाहन जब्त

राजस्व अमले ने एक जेसीबी और दो डंपर को किया जब्त

> शुक्रवार शाम को लालपुर मे अवैध खनन करते हुये तीन गाड़ियो को जप्त किया गया है हमारे द्वारा प्रतिवेदन बनाकर अनुभागीय अधिकारी गंडई को भेजा गया है आगे की कार्यवाही उनके द्वारा की जाएगी।
>
> **भारतलाल ब्रम्हे,** नायब तासीलदार गंडइ

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। पुलिस - प्रशासन के तमाम कोशिशों के बाद भी खनिज माफिया लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं। हाल ही के समय में पुलिस और नायब तासीलदार की ओर से मिट्टी के अवैध उठाव को लेकर कार्रवाई की गई है। इस क्रम में वाहनों को जब्त किया गया है। क्षेत्र मे लगातार अवैध मिट्टी का उठाव हो रहा है। इसमें गंडई थाना क्षेत्र तासील गंडई अंतर्गत लालपुर ग्राम मे मिट्टी का अवैध उठाव करते हुए एक जेसीबी व दो हाइवा पकड़ा गया है। माफिआओं का हौसला लगातार बढ़ता जा रहा है। इस महामारी के दौरान लॉकडाउन के बाद भी बालू माफिआ अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए लॉकडाउन के नियमों के पालन को लेकर कड़े निर्देश देने के बाद भी अवैध खनन और परिवहन से जुड़े लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है। क्षेत्रमे लगातार मिट्टी का अवैध उठाव जारी है। रात के अंधेरे में ज्यादातर बालू का उठाव हो रहा है। सुबह-सुबह पुलिस के सड़क पर निकलने से पहले ट्रैक्टर से बालू का उठाव किया जा रहा है। मामले में सहायक खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि विभाग लगातार छापामारी अभियान चला रहा है। पकड़े जाने पर कार्रवाई भी की जा रही है।

क्षेत्र मे खनिज के अवैध खनन, परिवहन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र मे अलग अलग जगहो पर मिट्टी, मुरुम का भी खनन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा कार्रवाई तो की जा रही है, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होने की वजह से खनन माफिआ के हौंसले बुलंद हैं। ताजा मामला गंडई क्षेत्र का सामने आया है जहां पर बगैर अनुमति के मिट्टी खनन का कार्य किए जाने पर राजस्व अधिकारी द्वारा एक जेसीबी और दो डंपर को जब्त करने की कार्रवाई की है।

उल्लेखनीय है की नायब तासीलदार गंडई के बताए अनुसार गाड़ी गंडई के ऋषभ जयसवाल पिता राजू जयसवाल गंडई निवासी तहसील गंडई अपनी स्वयं की हाइवा क्रमांक सीजी 08 एन 2388 व सीजी 04 जेसी 9629 तथा जेसीबी क्रमांक सीजी 08 एसी 2499 से ग्राम लालपुर मे प.ह.न. 23 तहसील गंडई के कृषक सुखनंदन पिता जगदीश भूमि श्वमी हक की भूमि 192/2 रकबा 4.06 एकड़ मे से लंबाई 60 मीटर चौड़ाई 40 मीटर गहराई 6 फिट मिट्टी खोदकर अशोक पिता कृष्ण कुमार के कृषि फार्म के बगैर अनुमति के तथा कलेक्टर राजनंदगांव के आदेश क्रमांक 1799 दिनांक 17 जुलाई को कादिका 6 एवं 19 के अनुसार लॉकडाउन का उलंघन करते हुये दिनांक 23 जुलाई को शाम 07 बजे स्थल पर परिवाहन एवं खोदाई करते हुये पाये जाने पर वाहन को जप्त कर थाना प्रभारी गंडई के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के अनुसार तहसील गंडई के ग्राम लालपुर में नायब तहसीलदार द्वारा एक जेसीबी, एक मिट्टी से भरा डंपर, एक खाली डंपर को जब्त किया है। यहां लॉकडाउन के दौरान खनिज मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा था। विदित हो कि खनिज के अवैध खनन, परिवहन से शासन को लाखों रुपए के राजस्व की क्षति होती है। बावजूद इसके अवैध खनन, परिवहन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। हालांकि, प्रशासन द्वारा कार्रवाई भी की जाती है, लेकिन खनन माफिआ पर इसका कोई असर नहीं पड़ता है। जिसके कारण जिले में बड़े पैमाने में यह कारोबार फलफूल रहा है। एकओर चहुंओर लॉकडाउन हैं वहीं दूसरी ओर खनिज माफिआ मशीन से खनिज का उत्खनन कर राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जानकार सूत्रों का दावा है कि नेताओं और कार्यकर्ताओं के प्रश्रय में ही धड़ल्ले से खनिजो की चोरी हो रही है। इससे प्रशासन भी राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने से बचता है।

थाना सिंघनपुरी जंगल पुलिस टीम ने दिखाई दरियादिली

- 19 कोरोनावायरस से ग्रसित परिवार तक पहुंचाई आवश्यक सामग्री और जाना मरीज का हाल

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कबीरधाम जिले में कोरोना वायरस कोविड-19 के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए जिले में सात दिवस तक के लिए लॉकडाउन लगाया गया है, जिस वजह से लोगों को बेवजह बाहर निकलने की मनाही है। ताकि कोरोनावायरस को फैलने से रोका जा सके, लॉकडाउन में सबसे ज्यादा असर गरीब परिवार को हो रहा है, जिनको जीविका के लिए रोजाना कमाई की जरूरत पड़ती है। कबीरधाम में भी कई ऐसे परिवार हैं, जिन्हे लॉकडाउन के कारण मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा होगा, लेकिन हम जानते हैं कि कोरोनावायरस को फैलने से रोकने में लॉकडाउन बहुत ही कारगर है, जिस कारण से शासन प्रशासन द्वारा सख्ती से लॉकडाउन लगाने का निर्देश दिया गया है। कबीरधाम पुलिस के अधिकारियों एवं जवान जहां एक तरफइस बात का ध्यान रख रहे हैं, कि लॉकडाउन का पालन सही तरीके से हो, वहीं कबीरधाम पुलिस इस दौरान उन गरीब परिवारों का भी ख्याल रखते हुए नजर आ रहे हैं, जिन्हे लॉकडाउन में रोजमर्रा की छोटी-छोटी वस्तुओं की परेशानी हो रही है। उन सभी परिवारों को किसी तरह की समस्या या परेशानी ना हो इसलिए कबीरधाम जिले के पुलिस कप्तान शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है, कि अपने-अपने थाना चौकी क्षेत्र में आम जनों तक यथासंभव मदद पहुंचाएं साथ ही क्षेत्र के संपन्न लोगों को भी असहयोग/ जरूरतमंदों की मदद करने जागरूक करें तथा किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है, तो उससे अवगत कराएं उसे जल्द ही दूर किया जाएगा। इसी तारतम्य में थाना सिंघनपुरी निरीक्षक श्री आनंद शुक्ला के द्वारा सिंघनपुरी जंगल क्षेत्र, तथा वनांचल के ग्राम कटोरी के कोरोना से ग्रसित मरीजों के परिवार से पूर्णता सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मरीज का हालचाल जाना गया।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र पहुंची

आक्सीजन टैंकरों के तेजी से आवागमन के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया

- ऑक्सीजन एक्सप्रेस की शीर्ष स्तर पर निगरानी की गई
- फर्स्ट ऑक्सीजन एक्सप्रेस :प्लानिंग से लेकर डिलीवरी तक

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापार। रेलवे ने ऑक्सीजन एक्सप्रेस के परिचालन को एक चुनौती के रूप में लिया और महाराष्ट्र के कलंबोली से नागपुर, गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, लखोली होते हुए विशाखापट्टणम तक और वापस इसी रास्ते से नासिक तक पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस सफलतापूर्वक चलाई। जिस पल रेलवे को, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंकरों के आवागमन के लिए जैसे ही निवेदन मिला , तुरंत काम सुरू हुआ। इसके लिए बहुत कम समय में रैंप बनाया गया।

रो-रो सेवा के आवागमन के लिए रेलवे को कुछ स्थानों पर घाट सेक्शन, रोड ओवर ब्रिज, टनल, कर्व्स, प्लेटफॅार्म कैनोपीज़, ओवर हेड इक्विपमेंट आदि विभिन्न बाधाओं पर विचार करते हुए पूरे मार्ग का एक खाका तैयार करना था। क्योंकि इस मूवमेन्ट में ऊंचाई एक महत्वपूर्ण पहलू है, रेलवे ने वसई के रास्ते मार्ग का खाका तैयार किया। 3320 मिमी की ऊंचाई वाले सड़क टैंकर ञ्1618 के मॉडल को फ्लैट वैगनों पर रखा जाना संभव पाया गया।

चूंकि ऑक्सीजन क्रायोजेनिक और खतरनाक रसायन है, इसलिए रेलवे को अचानक एक त्वरण, मंदन से बचना पड़ता है, बीच-बीच में प्रेशर की जांच करनी पड़ती है, खासकर जब यह भरी हुई स्थिति में हो। फिर भी, रेलवे ने इसे चुनौती के रुप में लिया, मार्ग का खाका तैयार किया, लोगों को प्रशिक्षित किया और इन विशेष आकार के टैंकरों को वसई, सूरत, भुसावल, नागपुर , गोंदिया, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, लखौली के रास्ते से विशाखपट्टणम तक ले जाया गया।

ट्रेनों के माध्यम से ऑक्सीजन का परिवहन, सड़क परिवहन की तुलना में लंबा है परंतु फ़ास्ट है। रेलवे द्वारा परिवहन में दो दिन लगते है जबकि सडक मार्ग द्वारा 3 दिन लगते है।

ट्रेन दिन में 24? घंटे चलती है, ट्रक ड्राइवरों को रोड पर हाल्ट आदि लेने की आवश्यकता होती है। इन टैंकरों की तेज गति के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है और आवाजाही की निगरानी शीर्ष स्तर पर की गयी है क्योंकि हम जानते हैं कि यह हमारे लिए एक कठिन

कलंबोली और विशाखापट्टणम के बीच की दूरी 50 घंटों में पूरी

कलंबोली और विविशाखपट्टणम के बीच की दूरी 1850 किमी से अधिक है, जो इन टैंकरों द्वारा केवल 50 घंटों में पूरी की गई थी। 100 से अधिक टन एलएमओ (लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन) वाले 7 टैंकरों को 10 घंटे में लोड किया गया और केवल 21.00 घंटे में वापस नागपुर ले जाया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को ऑक्सीजन एक्सप्रेस पूर्व तट रेलवे से लाखौली इंटरचेंज प्वाइंट पर 10.45 सुबह में प्राप्त हुआ था, जिसे रायपुर मंडल ने दुर्ग इंटरचेंज प्वाइंट पर नागपुर मंडल को 12.25 दोपहर में सौंप दिया। नागपुर मंडल ने राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, भंडारा रोड, कांप्टी स्टेशनों से सफलतापूर्वक परिचालन करते हुए इसे रात्रि 8.10 बजे दिनांक 23 अप्रैल को मध्य रेलवे नागपुर स्टेशन पहुंचा दिया।

भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने अपने निवास पर दिया धरना

भाटापारा। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ता प्रदेशभर में शनिवार को कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में पूर्ण रूप से विफल प्रदेश सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया,,जिसमे भाटापारा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता भी शामिल हुए..। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष ,विधायक भाटापारा शिवरतन शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कोरोना का कहर लगातार बढ़ रहा है। जनसंख्या की दृष्टि से संक्रमण के मामले में छत्तीसगढ़ पहले स्थान पर आ गया है परंतु कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में प्रारम्भ से ही छत्तीसगढ़ सरकार अब भी व्यवस्था सुधारने, स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने, बिस्तर, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर उपलब्ध करवाने एवं जीवन रक्षक दवाओं और रेमडेसिवीर इंजक्शन उपलब्ध करवाने एवं संक्रमण की दर को कम करने कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही है,सरकार की लापरवाही पूर्ण रवैया साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि दुर्भग्यपूर्ण बात यह है कि प्रदेश सरकार ने ना तो बीते एक वर्षों में कोई सबक लेते हुए कोई ऐतियातन इंतजाम बेहतर करने कदम उठाए और ना ही वर्तमान भयावह स्तिथि से निपटने कोई प्रयास करती नजर आ रही है। श्री शर्मा ने कहा की कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में पूर्ण रूप से विफल हो चुकी भूपेश बघेल की सरकार को जगाने हमने हर संभव प्रयास किये। हमारी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने लगातार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बेहतर कदम उठाने जगाने का प्रयास किया, मुख्य सचिव से मुलाकात कर व्यवस्था बेहतर करने प्रयास किया परंतु हम पर हमारी पार्टी पर राजनीति का आरोप लगा कर मुख्यमंत्री सहित कांग्रेस पार्टी मुह छुपाती रही। भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल महोदया के माध्यम से भी सरकार को जगाने प्रदेश सरकार के समक्ष जनहित में निर्णय की मांग रखी परंतु छत्तीसगढ़ सरकार और सरकार के मुख्या असंवेदनशील हो चुके है।

सीटी स्कैन की हडबडी ना करें यह जरूरी नहीं हैं : विशेषज्ञ

नवप्रदेश संवाददाता

बालोद । जिला बालोद जिले में बढ़ते कोरोना के केस को देखते हुए लोग फेफड़े में संक्रमण के डर से सीटी स्कैन करवाने लगे हैं लेकिन विशेषज्ञों की माने तो सीटी स्कैन करवाने की कोई हड़बड़ी नहीं करनी चाहिए यह जरूरी नहीं है सीटी स्कैन कराने की भ्रांति से बचने की अपील कुछ जानकार भी करने लगे हैं कोरोना टेस्ट रिपोर्ट आते तक खुद को पॉजिटिव मानकर होम आइसोलेट करने की सलाह दी जा रही है पर लोग हैं कि हड़बड़ी करके सीटी स्कैन में हजारों रुपए खर्च कर हैं उस पर अलग-अलग अस्पतालों में अलग-अलग पैसा लिया जा रहा है कहीं 3000 में वही चीज होता है तो कहीं 4 से 5000 तो कहीं 7000 तक खर्च हो रहे जानकारों की माने तो अस्पताल में भर्ती करते वक्त की सिटी स्कैन की जरूरत पड़ती है वर्तमान में लक्षणों के आधार पर ही इलाज हो रहा है चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि सीटी स्कैन कराने की दौड़ से बचना चाहिए टेस्ट में अभी भ्रांति फैली हुई है एसआरसीटीसी या सीटी स्कैन कराने की दौड़ लगी है इससे बचना है उससे कोई बहुत ज्यादा ट्रीटमेंट में बदलाव नहीं होता है डॉक्टर जब भर्ती पेशेंट को टेस्ट की जरूरत हो तो भी टेस्ट करवाते हैं टेस्ट स्वयं से कराने की जरूरत नहीं है स्वस्थ व्यक्ति जिनको सर्दी खांसी बुखार है और जिनको लग रहा है कि उन्हें कोरोना हो गई है या हो सकता है तो उनको टेस्ट कराना है उन्होंने कहा कि कभी भी कोरोना की आशंका होती है तो इसकी जांच के लिए 3 किस्म के टेस्ट एंटीजन आरटीपीसीआर और ट्रूू नाट टेस्ट कराया जा सकते हैं इसके अलावा और कोई टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है।

6 मिनट का करे वाकिंग टेस्ट

विशेषज्ञों ने बताया कि ऑक्सीजन लेवल की जांच के लिए 6 मिनट का वॉकिंग टेस्ट किया जा सकता है 6 मिनट पैदल घूमने के बाद अगर ऑक्सीजन सिचुएशन 4% के भीतर कम हो रहा है तो आप सुरक्षित हैं यह बदलाव अगर 4%से ज्यादा है तो डॉक्टर की सलाह से अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत है।

90% मरीज होम आइसोलेशन में स्वस्थ

टेस्ट के पॉजिटिव आने के बाद अगर किसी को होम आइसोलेशन में रहना है तो ऑक्सीजन लेवल सही होने पर भी रह सकते हैं 90ब लोग होम आइसोलेशन से स्वस्थ हो रहे हैं होम आइसोलेशन में अपना ऑक्सीजन सिचुएशन 93% के ऊपर बनाए रखना चाहिए ।

कोरोना के लिए कोई भी निश्चित दवा नहीं

डॉक्टरों ने यह भी कहा है कि कोरोना की अभी कोई निश्चित दवा नहीं है लक्षणों के आधार पर उनका इलाज हो रहा है कई किस्म की दवाइयां आ गई है और उसमें से कुछ गिनती की दवाइयां फायदेमंद साबित हुए है इसका उपयोग डॉक्टर की सलाह से ही करना है विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को कोरोना का लक्षण है तो कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट आते तक अपने आप को पॉजिटिव मानकर ही चलना चाहिए इसके लिए खुद को अलग रखे और अपने परिवार को संक्रमित होने से बचाइए। सुरक्षा सावधानी ही बचाव का प्रमुख तरीका है।

वेक्सीन और निशुल्क राशन देने प्रदेश सरकार के निर्णय का इन्द्र साव ने किया स्वागत

भाटापारा। छ.ग.प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा वर्ग उपाध्यक्ष इन्द्र साव ने भूपेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में निशुल्क वैक्सीन लगाने एवं दो माह का निशुल्क राशन प्रदान किए जाने संबंधी निर्णय का स्वागत किया है । उन्होने कहा कि दुनिया भर में लोग वैश्विक महामारी कोरोना के प्रभाव से चिंतित व डरे हुए हैं, इस महामारी से पूरा भारत और हमारा प्रदेश भी पूरी तरह से प्रभावित है, राज्य की भूपेश सरकार कोरोना से निपटने के लिए पूरी ताकत लगाए हुए हैं, सरकार अपने काम को बेहतर ढंग से कर रही है, लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचे उसके लिए पूरी तरह से मॉनिटरिंग किया जा रहा है । प्रदेश के भाजपा नेताओ के द्वारा सरकार पर आरोप लगाए जाने पर इन्द्र साव ने भाजपा नेताओं को विपदा में राजनीति न करने की सलाह देते हुए यह आरोप लगाया है कि पिछले 15 सालों तक सत्ता में रहते हुए प्रदेश व जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह से बर्बाद करने वाले लोग वर्तमान सरकार पर आरोप लगाए यह शोभा नहीं देता है। भाजपा के तीन कार्यकाल के दौरान अस्पतालों की क्या स्थिति थी आम जनता को मालूम है, अस्पतालों में डॉक्टरों और दवाइयों दोनों की ही कमी थी इसके साथ ही कई अस्पतालों में तालाबंदी के हालात थे।